आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, सोमवार 31 अगस्त 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 261
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

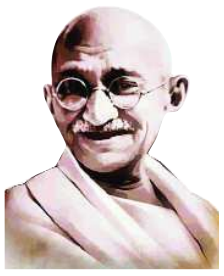

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

दुग्ध उत्पादक किसानों में आक्रोश

पेज-2

माधुरी दीक्षित टीवी होस्टिंग की दुनिया में वापसी के लिए तैयार

पेज-5

शुगर फ्री मिठाइयों की डिमांड 30% बढ़ी

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- नेपाल बाढ़ में मौतों का आंकड़ा 903 पहुंचा
- नेपाल में बाढ़ में डूबी बैंक शाखा से 50 करोड़ का सोना बरामद, नकदी भी मिली
- चीन में मडस्लाइड के बाद लापता लोगों की तलाश तेज, राष्ट्रपति जिनपिंग ने दिए निर्देश
- केरल में वंदे मातरम पूरा गाने पर CPIM का कांग्रेस सरकार पर हमला
- होर्मुज में अमेरिकी MQ-9 ड्रोन मार गिराने का ईरान का दावा
- हापुड़ में तेज रफ्तार थार पलटी, हादसे में 4 की मौत
- रसुवा में बाढ़ के बाद बदला पूरा मंजर, गाद से पटी नदी, कई इमारतें तबाह
- 'खार्ग आईलैंड के कर दिए टुकड़े-टुकड़े', ट्रंप ने बताया ईरान में कहां किया स्ट्राइक
- अयोध्या ट्रस्ट की बैठक में 12 मुद्दों पर चर्चा, CEO को लेकर भी मंथन
- जॉर्डन की ओर जा रही ईरानी मिसाइलों को अमेरिकी सेना ने रोका
- 'भारी कीमत चुकानी होगी', लाराक हमले पर ईरान की अमेरिका को धमकी,
- उत्तरी साइप्रस के पास करीब 270 लोगों से भरी फेरी पलटी, 8 की मौत
- अंकित बालियान हत्याकांड में बड़ा एक्शन, दो शूटर एनकाउंटर में ढेर
- अमेरिका ने होर्मुज में माइन थ्रेट के बीच ईरान के लारक द्वीप पर हमला किया

नेहरू स्टेडियम को लेकर कांग्रेस संगठन शंका में

रीजनल पार्क के पास खाली जमीन को लेकर भी तैयारी शुरू

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी के प्रस्तावित इंदौर दौरे को लेकर शहर कांग्रेस नेहरू स्टेडियम में अनुमति को लेकर आशंका जता रहा है। इसे देखते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बैकअप प्लान बनाया है। इसके लिए उन्होंने अपनी विधानसभा राऊ में रीजनल पार्क के सामने वाली जमीन को चिह्नित किया है। यदि स्टेडियम नहीं मिलता है तो फिर आयोजन को यहां स्थानांतरित (शिफ्ट) किया जाएगा।

यहां छात्रों की बसाहट भी ज्यादा-इस जगह के लिए दो कारण बताए गए हैं, पहला तो यह पटवारी की विधानसभा में है। वहीं दूसरा यह कि पास ही भंवरकुआं है, जहां छात्रों की सबसे सघन बसाहट है। ऐसे में यहां पर छात्रों की भीड़ जुटाना आसान होगा। इसके लिए सभी युवा नेताओं को टारगेट भी दे दिए गए हैं। साथ ही

यह भी कहा गया है कि इस आयोजन के भव्य होने पर आगे की नियुक्तियों में उनके काम के हिसाब से ध्यान रखा जाएगा।

गौरतलब है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 12 सितंबर को इंदौर आएंगे। वे यहां 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के तहत करीब 50 हजार जेन-जी युवाओं को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम की अनुमति मिलने के बाद राहुल गांधी के दिल्ली स्थित कार्यालय की टीम इंदौर पहुंचकर तैयारियों का जायजा लेगी और स्थानीय संगठन को कार्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी। कांग्रेस ने इसके लिए तैयारी शुरू कर दी है।

कार्यक्रम में इंदौर के कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और हॉस्टलों के अलावा आसपास के जिलों से भी युवाओं को जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। पार्टी ने इसके लिए कॉलेज और विश्वविद्यालय परिसरों में छात्रों से सीधे संपर्क शुरू करने की तैयारी की है।

नेताओं कार्यक्रम में पहले एक प्रसिद्ध सिंगर का लाइव कंसर्ट भी प्रस्तावित है। आयोजन में शामिल होने वाले प्रत्येक युवा का पंजीकरण अनिवार्य होगा। प्रवेश केवल 30 वर्ष से कम उम्र के युवाओं को दिया जाएगा। कार्यक्रम में में राष्ट्रीय और वैश्विक मुद्दों के साथ युवाओं से जुड़े राज्य स्तरीय विषयों पर भी संवाद किया जाएगा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष विपिन वानखेड़े ने बताया कि कार्यक्रम की पूरी रूपरेखा राहुल गांधी के दिल्ली स्थित कार्यालय से तय की जा रही है। स्थानीय संगठन को व्यवस्थाओं और युवाओं को जोड़ने की जिम्मेदारी दी जाएगी। 'छात्रों की गूंज' अभियान के तहत इससे पहले कोटा, पुणे, प्रयागराज और बिहार सहित अन्य स्थानों पर भी युवाओं के बीच कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। इंदौर में होने वाले आयोजन को प्रदेश के सबसे बड़े युवा संवाद के रूप में तैयार करने की योजना है।

ओरछा में पार्टी के क्षत्रपों ने चुराई एक दूसरे से नजरें

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

ओरछा ● दतिया में उपचुनाव हारने के बाद से भाजपा संगठन में जिस तरह से प्रदेश के नेताओं की दिल्ली दौड़ शुरू हुई और अलग-अलग बैठकों से जो चर्चाएं और अफवाहों का दौर गर्म हुआ, उसका असर ओरछा में आयोजित प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में साफ नजर आया। बैठक में मंथन तो बूथ मजबूत करने के लिए किया गया, लेकिन बैठक के बाहर प्रदेश के दिग्गज नेताओं के बीच सामंजस्य का अभाव नजर आया। कई मौकों पर आपस में बात करना तो दूर, उनकी नजरें तक आपस में सार्वजनिक रूप से नहीं मिलीं।

पहले सत्र और लंच की टेबल पर दूरी-पूर्वाह्न नौ बजे से प्रारंभ हुई प्रदेश कार्य समिति की बैठक में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव पूर्वाह्न लगभग 11.30 बजे पहुंचे तो इसके बाद संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया व केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान पहुंचे। ऐसे में, तीनों ही नेता कार्यसमिति के पहले सत्र में अलग-अलग बैठे दिखाई दिए। लंच की टेबल पर भी ये तीनों एक साथ नजर नहीं आए।

भोजन कक्ष में फोटो सेशन और मजमा-उद्घाटन सत्र समाप्त होने के बाद मुख्यमंत्री डा. यादव पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला के साथ भोजन कक्ष में पहुंचे। भोजन किया और कार्यकर्ताओं के साथ फोटो सेशन कराकर वापस कक्ष में जाने लगे तभी कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी टहलते हुए पहुंच गए।

बहनों को मुफ्त यात्रा की सौगात निगम के लिए बना गले की हड्डी

■ पहले का 65 करोड़ रुपए बकाया, एआईसीटीएसएल अब बिल देने की तैयारी में

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● रक्षाबंधन पर शहर की सिटी बसों में बहनों को दी गई मुफ्त यात्रा की सौगात अब नगर निगम के लिए भुगतान की चुनौती बनकर सामने आ रही है। त्योहार के दिन 6 हजार से ज्यादा महिलाओं ने सिटी बसों में नि:शुल्क सफर किया था। अब इस यात्रा पर हुए खर्च का बिल एआईसीटीएसएल नगर निगम को सौंपने की तैयारी में है। कंपनी सूत्रों के मुताबिक बिल आज निगम को दिया जा सकता है।

इस बार मुफ्त सफर का फैसला आखिरी समय में हुआ था। एआईसीटीएसएल और बस ऑपरेटर पहले से आर्थिक दबाव में होने के कारण अपने स्तर पर मुफ्त यात्रा का खर्च उठाने को तैयार नहीं थे। बाद में नगर निगम ने इस खर्च की भरपाई करने की लिखित सहमति दी, जिसके बाद रक्षाबंधन पर महिलाओं के लिए सिटी बसों में मुफ्त यात्रा शुरू की गई।

महापौर के आश्वासन के बाद शुरू हुई मुफ्त यात्रा- अधिकारियों की आपत्ति के बाद महापौर ने स्पष्ट किया कि रक्षाबंधन पर महिलाओं की मुफ्त यात्रा का खर्च नगर निगम उठाएगा। इसके बाद निगम की ओर से एआईसीटीएसएल को लिखित रूप से भुगतान का आश्वासन दिया गया। इसके बाद रक्षाबंधन के दिन महिलाओं को सिटी बसों में नि:शुल्क यात्रा की सुविधा मिली।

मांग उठी तो अंतिम समय में लिया फैसला

रक्षाबंधन से पहले महिलाओं के मुफ्त सफर को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई थी। प्रदेशभर में मुफ्त यात्रा की घोषणा नहीं होने के बीच चार्टर्ड बस सेवा के ऑपरेटर ने अपनी इंटरसिटी बसों में महिलाओं को मुफ्त सफर कराने का ऐलान कर दिया था। इसका खर्च भी ऑपरेटर ने खुद उठाने की बात कही थी। इसके बाद इंदौर की सिटी बसों में भी महिलाओं को मुफ्त यात्रा देने की मांग उठी। नेता प्रतिपक्ष सोनिला मिमरोट ने इस मुद्दे को लेकर सिटी बस कंपनी के कार्यालय पहुंचकर मांग रखी और महापौर पुष्यमित्र भार्गव को को पत्र भी दिया। मामला बढने के बाद महापौर ने एआईसीटीएसएल अधिकारियों को महिलाओं के लिए मुफ्त सफर की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए बताया कि कंपनी और बस ऑपरेटर पहले से ही वित्तीय दबाव में हैं। बिना भुगतान की व्यवस्था के मुफ्त यात्रा कराना उनके लिए मुश्किल होगा।

जनवरी से ही गहराएगा शहर के साथ जिलेभर में जलसंकट

सितंबर की बारिश पर टिकी इंदौर की पानी की उम्मीद

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मानसून की बेरुखी ने एक बार फिर इंदौर के सामने आने वाले महीनों के जलसंकट का खतरा खड़ा कर दिया है। शहर में अब तक करीब 20 इंच बारिश हुई है, जबकि इंदौर की सालाना जरूरत करीब 40 इंच बारिश की मानी जाती है। ऐसे में अब सितंबर की बारिश पर शहर की बड़ी उम्मीद टिकी है। खास बात यह है कि पिछले एक दशक में सितंबर में सबसे ज्यादा बारिश का रिकॉर्ड वर्ष 2023 के नाम रहा है। उस साल सितंबर में करीब 20.3 इंच यानी 504 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई थी। अब इंदौरियों की नजर इसी रिकॉर्ड पर है। यदि इस बार सितंबर में 2023 का आंकड़ा टूटता है तो जलस्रोतों को बड़ी राहत मिल सकती है, लेकिन बारिश ने साथ नहीं दिया तो आने वाला गर्मी का मौसम शहर के लिए बेहद मुश्किल हो सकता है।

इस बार अप्रैल नहीं, जनवरी से शुरू हो सकता है संकट

पिछली गर्मियों में इंदौर ने पानी की किल्लत का गंभीर दौर देखा था। कई इलाकों में जलसंकट को लेकर प्रदर्शन हुए और नगर निगम के सामने टैंकरों तथा वैकल्पिक जलापूर्ति की व्यवस्था का दबाव बढ़ गया था। हालात ऐसे बने कि निगम अधिकारियों को भी जल प्रबंधन के लिए लगातार मशक्कत करनी पड़ी। इस बार यदि मानसून से पर्याप्त भरपाई नहीं हुई तो यही संकट अप्रैल के बजाय जनवरी से ही दस्तक दे सकता है। यानी सर्दियों में ही पानी की चिंता शुरू होने की आशंका है और गर्मी आने तक स्थिति और गंभीर हो सकती है।

2023 में 24 से 26 घंटे में बरसा था 12 इंच पानी : सितंबर 2023 में बारिश ने ऐसा रफ्तार पकड़ी थी कि महज 24 से 26 घंटे के भीतर करीब 12 इंच पानी बरस गया था। लगातार हुई इस बारिश ने शहर के जलस्रोतों को भरने के साथ भूजल स्तर को भी राहत दी थी। यही वजह है कि इस बार सितंबर के बचे दिनों में होने वाली बारिश बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इंदौर में सितंबर की सामान्य बारिश करीब 6 इंच के आसपास रहती है। इसके बावजूद 2023 में तीन गुने से ज्यादा बारिश हुई और सितंबर ने पूरे दशक का रिकॉर्ड बना दिया। इस वर्ष अब तक बारिश करीब 20 इंच के आसपास है। यानी सालाना औसत जरूरत के मुकाबले शहर अभी काफी पीछे है। सितंबर में यदि अच्छी बारिश नहीं हुई तो जलस्त्रोतों में पर्याप्त पानी जमा होना मुश्किल होगा।

मुलाकात छोटी, चर्चा बड़ी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और इंदौर सांसद शंकर लालवानी के बीच इंदौर एयरपोर्ट पर करीब 20 से 25 मिनट तक अहम बातचीत हुई। दोनों नेताओं के बीच हुई इस मुलाकात को राजनीतिक और विकास से जुड़े मुद्दों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री सुबह करीब 9 बजे इंदौर विमानतल पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने किसी अन्य नेता या स्थानीय पदाधिकारी को एयरपोर्ट पर नहीं बुलाया था। बताया जा रहा है कि सांसद शंकर लालवानी को ही मुख्यमंत्री की ओर से बातचीत के लिए संपर्क किया गया था। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री और सांसद के बीच बातचीत में इंदौर के विकास से जुड़े कई अहम विषयों पर चर्चा हुई।

पेट दर्द का इलाज करवाने गई बालिका की अस्पताल में मौत

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● आज सुबह गणेश नगर क्षेत्र की रहने वाली दस वर्षीय दिव्यांशी सोलंकी की इलाज के दौरान मौत का एक मामला सामने आया है। बच्ची के पिता का नाम मनोज सोलंकी है और यह परिवार मूल रूप से बागली के पूजापुरा क्षेत्र का रहने वाला है। खातीवाला टैंक स्थित हर्ष क्लिनिक में इलाज के दौरान बच्ची की तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उसने दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद से ही क्षेत्र में तनाव और आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

पेट दर्द के चलते क्लिनिक पहुंची थी बच्ची-परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार बच्ची को पिछले लगभग दस दिनों से पेट में दर्द की शिकायत थी। पेट दर्द से राहत दिलाने के उद्देश्य से उसकी मां रविवार दोपहर करीब तीन से चार बजे के बीच उसे खातीवाला टैंक के क्लिनिक लेकर पहुंची थी। परिजनों का कहना है कि वे बच्ची को सामान्य जांच और उपचार के लिए लाए थे, लेकिन वहां दिए गए इलाज के बाद स्थिति तेजी से बिगड़ने लगी।

डॉक्टर पर गलत इलाज करने का आरोप-बच्ची के परिवार वालों ने क्लिनिक के डॉक्टर श्रीचंद मांगेचा पर इलाज में गंभीर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। परिजनों का दावा है कि रविवार को उपचार दिए जाने के दौरान बच्ची की स्थिति अत्यंत चिंताजनक हो गई और अस्पताल ले जाते समय उसकी मृत्यु हो गई।

सरकार के अभियोजन के इंकार के बाद आज मंत्री विजय शाह पर सुप्रीम सुनवाई

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

नई दिल्ली/भोपाल ● मध्य प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह से जुड़े मामले में आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट पिछली सुनवाइयों में कड़ा रुख अपनाते हुए सरकार को निर्णय लेने के निर्देश दे चुका है। वहीं, मध्य प्रदेश कैबिनेट ने मंत्री के खिलाफ केस चलाने की मंजूरी न देने के प्रस्ताव को राज्यपाल के पास मंजूरी के लिए भेजा था। अब सुप्रीम कोर्ट में होने

वाली सुनवाई इस लिहाज से अहम है।

5 हजार साल बाद 4 सितंबर को जन्माष्टमी पर बन रहा दुर्लभ संयोग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इस बार भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव केवल धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि ज्योतिषीय दृष्टि से भी विशेष माना जा रहा है। 4 सितंबर को जन्माष्टमी के अवसर पर करीब पांच हजार साल बाद ऐसा दुर्लभ संयोग बन रहा है, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण के जन्मकाल से जुड़ी कई स्थितियां एक साथ बनेंगी। रोहिणी नक्षत्र में भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था और इस बार जन्माष्टमी पर भी रोहिणी नक्षत्र, वृषभ राशि और मध्यरात्रि के समय चंद्रमा की स्थिति विशेष संयोग बना रही है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रोहिणी नक्षत्र और वृषभ राशि में मध्यरात्रि के समय हुआ था। इस बार भी अष्टमी तिथि के साथ रोहिणी नक्षत्र और वृषभ राशि में चंद्रमा की स्थिति रहने से जन्माष्टमी को द्वापर युग जैसा संयोग माना जा रहा है। इससे पर्व का धार्मिक महत्व और बढ़ गया है।

मध्यरात्रि में होगा जन्मोत्सव : जन्माष्टमी पर मंदिरों में दिनभर

भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना और विशेष आयोजन होंगे। रात में श्रद्धालु भगवान के जन्म का इंतजार करेंगे। मध्यरात्रि 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। इस दौरान मंदिरों में शंख-घंटियों की गंज के बीच भगवान का अभिषेक, पजन और आरती की जाएगी।

मंदिरों में शुरू हुई तैयारियां-जन्माष्टमी को लेकर शहर के विभिन्न कृष्ण मंदिरों में तैयारियां शुरू हो गई हैं। मंदिरों में विशेष सजावट, आकर्षक विद्युत रोशनी और झांकियां तैयार की जा रही हैं। भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप को विशेष रूप से सजाया जाएगा। कई स्थानों पर भजन-कीर्तन, मटकी सजावट और धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। मान्यता है कि जन्माष्टमी पर भगवान श्रीकृष्ण का विधि-विधान से पूजन करने और मध्यरात्रि में जन्मोत्सव मनाने से भगवान की विशेष कृपा प्राप्त होती है। इस बार बनने वाले दुर्लभ संयोग को लेकर श्रद्धालुओं में भी विशेष उत्साह देखा जा रहा है। मंदिर समितियों द्वारा भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने को देखते हुए व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

न्यूज ब्रीफ

मालवा निमाड़ में आठ माह में 1.23 लाख नए बिजली कनेक्शन दिए

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा जारी कैलेंडर वर्ष में पिछले आठ माह के दौरान 1.23 लाख से नए बिजली कनेक्शन जारी किए गए है। यह पिछले वर्ष से करीब सवा नौ प्रतिशत ज्यादा है। कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि इंदौर राजस्व संभाग में करीब 75 हजार कनेक्शन जारी हुए है। इंदौर जिले में 36 हजार से अधिक कनेक्शन जारी हुए है। उज्जैन जिले में 10700 कनेक्शन जारी हुए हैं। बिजली कंपनी क्षेत्र के अन्य इलाकों में खरगोन जिले में 10560, धार जिले में 9000, बड़वानी जिले में 8300, रतलाम जिले में 7720, खंडवा जिले में 7200, देवास जिले में 6250 नए बिजली कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। ये बिजली कनेक्शन आन लाईन, आफ लाईन दोनों प्रकार से कनेक्शन आवेदन पर उपलब्ध कराए गए हैं।

बिजली कंपनी के एमडी ने वितरण केंद्र, सब स्टेशन का किया निरीक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत सब सपमध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने शनिवार दोपहर देपालपुर बिजली संभाग के हातोद वितरण केंद्र, हातोद 33/11केवी सब स्टेशन का निरीक्षण किया। अनूप कुमार सिंह ने ग्रिड में स्थापित पावर ट्रांसफार्मर पर क्षमता अनुरूप भार रखने , कैपेसिटर बैंक को हेल्दी रखने,रिकॉर्ड मैंटेन करने, लोक सेवा गारंटी अंतर्गत लंबित आवेदन का समय सीमा में निराकरण करने, सीएम हेल्पलाइन शिकायत का सकारात्मक निराकरण, रेवेन्यू टारगेट पूर्ण करने, सिंचाई पंप लोड वेरिफिकेशन करने के निर्देश दिए। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य महाप्रबंधक संजय मालवीय, देपालपुर कार्यपालन अभियंता अभिषेक रंजन आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

जेन जी और जेन अल्फा : नेताओं ने इतना बड़ा गुब्बारा बना दिया कि अब आंधी का डर सताने लगा है!

वोट की खेती करने वालों के लिए नई पीढ़ी सिर्फ मतदाता नहीं, सवालों की ऐसी ताकत बन रही है जिसका सामना भाषणों से करना आसान नहीं होगा

अक्षय जैन

इंदौर ● दैनिक इंदौर संकेत

राजनीति बड़ी अजीब चीज है। जिस वर्ग की जरूरत होती है, उसे पहले मतदाता कहा जाता है, फिर वोट बैंक बनाया जाता है। उसके नाम पर योजनाएं बनती हैं, सम्मेलन होते हैं, भाषण होते हैं, घोषणाएं होती हैं और चुनाव आते ही उसी वर्ग के दरवाजे पर नेताओं की कतार लग जाती है।

अब राजनीति को एक नया वर्ग मिल गया है जेन जी और जेन अल्फा। इन दोनों पीढ़ियों के नाम का इतना बड़ा शोर खड़ा कर दिया गया है कि लगता है जैसे भारत की पूरी राजनीति अब इन्हीं के इर्द-गिर्द घूमने वाली है।

हर राजनीतिक दल को युवा चाहिए। हर नेता को युवा चेहरा चाहिए। हर पार्टी को युवाओं के लिए नई रणनीति चाहिए। सामाजिक माध्यमों पर युवा दिख रहे हैं, राजनीतिक मंचों पर युवा दिख रहे हैं और चुनावी प्रचार में युवा सबसे आकर्षक चेहरा बन चुके हैं।

लेकिन असली सवाल कोई पूछना नहीं चाहता, जिस युवा के नाम पर राजनीति का इतना बड़ा गुब्बारा फुलाया जा रहा है, उसके हाथ में आखिर है क्या? डिग्री है, लेकिन नौकरी की गारंटी नहीं। प्रतियोगी परीक्षा है, लेकिन भविष्य की निश्चितता नहीं। मोबाइल है, इंटरनेट है, दुनिया की जानकारी है, लेकिन अपने भविष्य को लेकर बेचैनी भी है। और सबसे बड़ी बात हर पांच साल में उसे बताया जाता है कि उसका भविष्य उज्ज्वल है।

वह पूछता है - 'उज्ज्वल कब होगा?' यही सवाल राजनीति के लिए सबसे खतरनाक सवाल है। पुरानी राजनीति का युवा और आज का युवा। एक समय था जब युवा का मतलब होता था पार्टी का झंडा उठाना, नेता के पीछे चलना, नारे लगाना और चुनाव के समय भीड़ जुटाना।

नेता मंच से बोलता था और युवा तालियां बजाता था। अब समीकरण बदल गया है। नेता बोलता है तो युवा मोबाइल निकालता है। भाषण सुनने से पहले उसका वीडियो बनता है। दावा सुनने के बाद उसकी पड़ताल होती है। नेता कुछ कहता है तो उसका पुराना बयान कुछ ही मिनट में सामने आ जाता है। नेता वादा करता है तो युवा पूछता है - 'इसका पिछला हिसाब क्या है?' यही बदलाव राजनीति की सबसे बड़ी बेचैनी है। नई पीढ़ी को अब केवल यह बताकर प्रभावित करना आसान नहीं कि 'हम आपके लिए काम कर रहे हैं।'

वह पूछेगी- 'कौन सा काम?' 'कब किया?' 'कितने लोगों को फायदा हुआ?' ''और मेरे लिए क्या बदला?'

यानी राजनीति के पुराने 'विश्वास करो' मॉडल की जगह 'सबूत दिखाओ' वाला मॉडल खड़ा हो रहा है।

जेन जी को वोट बैंक समझना सबसे बड़ी राजनीतिक भूल होगी, राजनीतिक दलों को एक भ्रम से बाहर निकलना होगा। जेन जी कोई पारंपरिक वोट बैंक नहीं है। इसे केवल जाति के खाने में रखकर नहीं समझा जा सकता। इसे धर्म के कॉलम में नहीं बांधा जा सकता। इसे क्षेत्रीय समीकरणों से पूरी तरह नियंत्रित नहीं किया जा सकता। और सबसे बड़ी बात इसे किसी एक नेता की लोकप्रियता के भरोसे स्थायी रूप से अपने साथ नहीं रखा जा सकता। आज यह पीढ़ी आपके साथ है तो जरूरी नहीं कि पांच साल बाद भी आपके साथ रहे। आज रोजगार उसका मुद्दा है। कल शिक्षा। परसों महंगाई। फिर भ्रष्टाचार। फिर परीक्षा व्यवस्था। फिर अभिव्यक्ति।

अभिनव कला समाज में सजी शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य की मनभावन संध्या 'बरखा ऋतु आई'

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारतीय संस्कृति और संगीत की प्रतिष्ठित संस्था अभिनव कला समाज ने वर्षा ऋतु को समर्पित विशेष सांस्कृतिक संध्या 'बरखा ऋतु आई' का आयोजन किया ।

कार्यक्रम में इंदौर के वरिष्ठ शास्त्रीय गायक पं. सुनील मसूरकर ने राग मियाँ मल्हार में 'घन गरजत बरसत बूंद बूंद' प्रस्तुत की जिसमे बंदिश की खूबसूरत लयकारी तथा स्वरावली ने मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी गंभीर आलापी तथा शब्द आलाप से राग की छवि मुखरित हुई। राग मियां मल्हार में सुन्दर तराना और अपनी अंतिम प्रस्तुति में मिश्र पहाड़ी में कजरी एवं भैरवी में दादरा की मनभावन पेशकश की। डॉ. शिल्पा मसूरकर ने भी प्रस्तुति में बखूबी साथ निभाया।

वरिष्ठ शास्त्रीय गायिका डॉ. पूर्वी निमगांवकर ने राग मेघ मल्हार में विलंबित बंदिश 'ए छाई घटा' प्रस्तुत की जिसमे प्रारंभ में विलंबित आलापी मंद सप्तक में अति श्रवणीय रही जिसमे छाई घटा घनघोर का भाव प्रभावशील दिखाई दिया। शब्द आलापी में बढ़त करते हुए सौन्दर्य तथा भावपूर्ण बंदिश पेश की। विलंबित रूपक ताल में तानों का बड़ा खूबसूरत समावेश था जिसमे दमदारी की ताने तथा मूर्कियों को श्रोताओं ने पसंद किया। मेघ श्याम घनश्याम दुत में प्रस्तुत किया।

सांसद द्वारा राष्ट्रीय सिंधी समाज के नवनियुक्त राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सचदेव को नियुक्ति पत्र सोपा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राष्ट्रीय सिंधी समाज के संरक्षक सांसद शंकर लालवानी ने आज सांसद कार्यालय में राष्ट्रीय सिंधी समाज के नवनियुक्त राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेंद्र सचदेव को नियुक्ति पत्र सोपा इस अवसर पर राष्ट्रीय सिंधी समाज के राष्ट्रीय महामंत्री श्री मुकेश सचदेव विशेष रूप से उपस्थित थे। सांसद शंकर लालवानी ने नव नियुक्त राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेंद्र सचदेव का शाल भेंट कर पुष्प हार पहनकर स्वागत किया। सांसद शंकर लालवानी ने राष्ट्रीय सिंधी समाज के राष्ट्रीय महामंत्री मुकेश सचदेव का पुष्प हार पहनकर स्वागत किया। राष्ट्रीय सिंधी समाज की ओर से संस्था के संरक्षक सांसद शंकर लालवानी का राष्ट्रीय महामंत्री मुकेश सचदेव ने पुष्प हार और शाल पहना कर स्वागत अभिनंदन स्वागत किया।

डॉ. शरद पंडित के अमृत महोत्सव पर वृक्षारोपण कार्यक्रम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● वर्ष 2026 डॉ. शरद पंडित के जीवन का 75वॉं वर्ष है। इस अवसर पर उनके परिवार और मित्रगण मिलकर 'शरदामृत' का आयोजन कर रहे हैं। इसी क्रम में आज रविवार, 30 अगस्त को ग्राम पिवडाय में आशादीप सेवा प्रकल्प ट्रस्ट के अंतर्गत एक वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में पिवडाय के रहवासी, 103 वर्षीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी नरेंद्र सिंह तोमर के हाथों भी एक पौधा रोपित किया गया जिसने समारोह को गौरवपूर्ण बना दिया। ग्राम सरपंच श्रीमती रचना माखन गोखले परिवार सहित उपस्थित रहीं। डॉ. शरद पंडित, परिवार और मित्रों द्वारा 75 पौधे लगाए गए, जिनके रख - रखाव का संकल्प लिया गया।

हंस ट्रेवल्स की सीट बुकिंग के नाम पर यात्रियों के साथ धोखाधड़ी

हंस ट्रेवल्स के नाम बड़े और दर्शन खोटे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

देपालपुर ● हंस ट्रेवल्स द्वारा सीट बुकिंग को लेकर यात्रियों के साथ धोखाधड़ी कर रहा है। इतना ही नहीं सीट के साथ-साथ यात्रीयो के साथ अभद्र व्यवहार भी सामने आया है। पीड़ित ने 27 तारीख को दो सीट ऑनलाइन बुकिंग की थी जिसका समय 5,30 का था लेकिन बस 6:00 बजे बाद ग्राहकों को लेने पहुंची लेकिन यात्रियों को जो सीट ऑनलाइन बुकिंग में दी गई वह सीट हंस ट्रेवल द्वारा नहीं दी गई जानकारी में पीड़ित ने बताया कि तीन दिन पहले हमारे द्वारा 5 और 6 नंबर की सीट बुक की गई थी लेकिन वहां और कोई यात्री बैठे थे इस बात की जानकारी हमारे द्वारा ड्राइवर को दी गई लेकिन वह हमसे अभद्र व्यवहार करने लगा ड्राइवर द्वारा कहा कि आप कंपनी में बात करो इंदौर या भोपाल फोन पर बात कीजिए मामला बढ़ता देख ड्राइवर गाड़ी छोड़ गायब हो गया आधे घंटे तक ट्रेवल्स करने वाले यात्री परेशान होते रहे ऐसा एक पीड़ित के साथ नहीं हुआ कहीं यात्रीयो के साथ हँस ट्रेवल्स ने धोखाधड़ी की है। इतना ही नहीं यात्रियों के लिए जो गाड़ी आने वाली उसकी जगह हंस ट्रेवल ने ट्रेवलर गाड़ी को भेज दिया। यात्री जैसे तैसे 8:30 बजे इंदौर तो पहुंच गए लेकिन हंस ट्रेवल्स पर कहीं गंभीर आरोप लगा दिए सूत्र बताते हैं कि पहले भी हंस ट्रेवल्स का व्यवहार यात्रियों के साथ ऐसा ही रहा है यात्रियों ने यह भी कहा अब केवल हंस ट्रेवल्स के नाम बड़े दिखाई देते हैं लेकिन दर्शन खोटे है। प्राइवेट बसें यात्रियों के साथ मनमानी करते हैं परिवहन विभाग के जिम्मेदार अधिकारीयो को इस और ध्यान देना चाहिए हजारों यात्री बसों में सफर करते हैं। सबसे ज्यादा तकलीफ महिलाएं और बच्चों को होती है। इतना ही नहीं पीड़ित ने कहा है। कि हंस ट्रेवल्स के दुर्व्यवहार को लेकर वह इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा के समक्ष शिकायत भी दर्ज कराएंगे ताकि आने वाले समय मे किसी भी यात्री को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

ओबीसी के हैं होल्ड पद, नौकरी दे सकती है लेकिन दे नहीं रही बीजेपी-उमंग सिंघार

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल ● मध्यप्रदेश विधानसभा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार रविवार को इंदौर दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने मीडिया से चर्चा की। इसमें भागीरथपुरा जांच रिपोर्ट के साथ ही ओबीसी आरक्षण केस सहित कई मुद्दों पर बात रखी। मध्यप्रदेशमहिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बौरासी सेतिया के स्नेह बंधन आयोजन में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार रविवार, 30 अगस्त को इंदौर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से विविध मुद्दों पर बात की। इसमें अहम मुद्दा युवाओं की नौकरी, जेन-जी का ही रहा।

भाजपा नौकरी नहीं देना चाहती-उमंग सिंघार ने कहा कि राहुल गांधी छात्र, हर वर्ग की बात कर रहे हैं, भाजपा अब जंतर-मंतर के बाद जागी है। उनकी राज्य कार्यसमिति बैठक में युवा मुद्दा है। प्रदेश का युवा आज नौकरी चाहता है। अतिथि शिक्षक, वर्ग एक, दो के शिक्षक सभी परेशान हैं। भाजपा नौकरी दे सकती है लेकिन नहीं देकर उनका भविष्य खराब कर रही है।

ओबीसी के पद क्यों होल्ड हैं-उमंग सिंघार ने इसी दौरान ओबीसी आरक्षण केस को भी उठाया। मध्यप्रदेश में होल्ड हुए 13 प्रतिशत पदों को ओबीसी का बताते हुए सिंघार ने कहा कि एमपी सरकार बताए कि ओबीसी के 13 प्रतिशत पद होल्ड क्यों किए हुए हैं। युवा परेशान है। लेकिन भाजपा का कुछ नहीं हो सकता, चिड़िया चुग गई खेत, अब समय निकल गया। युवा हनुमान हैं और उन्होंने लंका में आग लगा दी है।

दुग्ध उत्पादक किसानों में आक्रोश

सरकार ने दूध के भाव नहीं बढ़ाए तो किसान करेंगे आंदोलन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

देपालपुर ● करजोदा में जुटे किसानों की भारी भीड़ लगातार बढ़ती महंगाई खली और पशु आहार की आसमान छूती कीमतों से परेशान इंदौर जिला ग्रामीण दूध उत्पादक किसान संगठन ने अब आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। संगठन के आह्वान पर सांवेर के बाद अब देपालपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम करजोदा में किसानों की एक विशाल और अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में क्षेत्र के हजारों दुग्ध उत्पादक किसान अपनी मांगों को लेकर एकजुट हुए।

वरिष्ठ नेताओं ने उठाए किसानों के मुद्दे, सरकार से किए तीखे सवाल: बैठक को संबोधित करते हुए प्रमुख किसान नेता दिलीप सिंह पंवार और हंसराज मंडलोई ने दुग्ध उत्पादक किसानों की ज्वलंत समस्याओं और मुद्दों को प्रमुखता से उठाया उन्होंने सरकार की नीतियों पर कड़े सवाल खड़े करते हुए पूछा कि जब हर चीज के दाम बढ़ रहे हैं, तो किसानों के दूध की कीमत बढ़ाने में देरी क्यों की जा रही है?

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द ही किसानों के हित में फैसला नहीं लिया तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था पूरी तरह ठप हो जाएगी। इसके साथ ही भारतीय किसान मजदूर सेना से चन्दन सिंह बड़वाया व प्रवीण ठाकुर रिंगनवास ने भी विशेष रूप से उपस्थित होकर अपनी बात रखी और किसानों के इस आंदोलन को अपना पूर्ण समर्थन दिया।

किसानो को साफ किया कि वर्तमान स्थिति में पुराने दामों पर दूध बेचना पशुपालकों के लिए पूरी तरह आत्मघाती साबित हो रहा है। अपनी आजीविका बचाने के लिए सभी ने सर्वसम्मति से निम्नलिखित नए दाम निर्धारित किए हैं। 1 सितंबर को इंदौर कलेक्टर कार्यालय पर विशाल धरना-प्रदर्शन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी नेताओं ने कहा कि दुग्ध उत्पादन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है,लेकिन आज का किसान कर्ज के दलदल में धंसता जा रहा है। यदि हमें हमारी मेहनत का सही मूल्य नहीं मिला, तो चक्का जाम और हड़ताल के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा।

> भैंस का दूध: 70 प्रति
> लीटर गाय का दूध: 60 प्रति लीटर
> फैट का आधार: 12 प्रति फैट
> प्रशासन और सरकार को आर-पार का अल्टीमेटम : किसानो ने मंच से चेतावनी दी है कि यदि 1 सितंबर तक हमारी इन न्यायसंगत मांगों को स्वीकार नहीं किया गया तो जिले के किसान उग्र कदम उठाने पर मजबूर होंगे।

आबकारी अधिकारियों ने ठेकेदार के आगे टेके घुटने

रंगवासा बना अवैध शराब का गढ़

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

रंगवासा शराब ठेकेदार संतोष मालवीय और जगदीश गहलोत के संरक्षण में रंगवासा एरिया अवैध शराब का गढ़ बन चुका है। कुकुरमुत्तों की तरह गली गली और गांव में शराब बेची जा रही है। इतना ही नहीं अब तो क्षेत्र में किराना दुकान होटल में भी शराब खुलेआम बिक रही है। मालवीय और गहलोत की जुगल जोड़ी ने क्षेत्र में आतंक मचा रखा है। गाड़ियां भरकर अवैध शराब का परिवहन हो रहा लेकिन जिम्मेदार अधिकारी अभी भी कुंभकरण की नींद सोए हैं। प्रदेश के मुखिया डॉक्टर मोहन यादव एक तरफ तो प्रदेश में नशा मुक्ति अभियान चलवा रहे हैं। लेकिन मालवीय गहलोत जैसे लोग गांव-गांव में नशे को बढ़ावा देने में लगे हैं। गरीबों के लिए कानून और शराब ठेकेदारों को इतनी छूट किसके संरक्षण में दी जा रही है। विश्वसनीय सूत्र बताते कि मालवीय और गहलोत को

> **आबकारी नियमों की खुलेआम उड़ा रहे धज्जियां**
>
> जानकारी में पता चला कि शासन और आबकारी नियमों के विरुद्ध शराब दुकान का संचालन किया जा रहा है। सूत्र बताते कि दुकान पर क्यूआर कोड नहीं है। एमआरपी की रेट लिस्ट भी नहीं लगाई गई कई बार देखने में आया है कि ग्राहकों से भी रेट को लेकर ठगी की जा रही मनमाने दामों पर शराब का क्रय विक्रय किया जा रहा उसके बावजूद भी आबकारी विभाग करवाई नहीं कर सका ऐसा नहीं है कि अधिकारियों को इस मामले की जानकारी नहीं है। लेकिन अधिकारियों से मिलजुल कर यह कारोबार शराब ठेकेदार कर रहे इससे स्पष्ट प्रतीत होता है। कि रंगवासा शराब दुकान पर शासन प्रशासन के नियम नहीं चलेंगे यहां तो केवल संतोष मालवीय और जगदीश गहलोत द्वारा बनाए गए ही नियम चलाए जाएंगे पहले भी कानून को ठेंगा दिखाया था आज भी कानून और आबकारी को ठेंगा दिखा रहे हैं।

सत्ताधारी नेताओं का संरक्षण प्राप्त है। इसलिए अधिकारी कार्रवाई करने से डरते नजर आ रहे हैं।

आबकारी एरिया इंस्पेक्टर की कार्य शैली सवालों के घेरे में-एरिया इंस्पेक्टर को रंगवासा शराब ठेकेदार के अड्डों की जानकारी होने के बावजूद भी कार्रवाई को अंजाम नहीं दे पाए लगातार पत्रकारों को भी एरिया इंस्पेक्टर केवल कार्रवाई का आश्वासन देते रहे आखिर क्यों सड़क किनारे बने ढाबों और गुमटियों पर इनकी नजर नहीं है। यहां तो खुलेआम ग्राहकों को शराब परोसने का काम किया जाता है। शराब ठेकेदारों ने ऐसा क्या जादू कर दिया एरिया इंस्पेक्टर पर जो अब तक एक भी कार्रवाई भी क्षेत्र में नहीं कर पाए। एरिया इंस्पेक्टर की ऐसी क्या मजबूरी है जो शराब ठेकेदार को इतना खुला संरक्षण दे रहे हैं। क्या इन्हीं की मिली भगत से रंगवासा क्षेत्र में बढ़ रहा है अवैध शराब का कारोबार इसलिए एरिया इंस्पेक्टर की कार्य प्रणाली सवालों के घेरे में है।

आबकारी विभाग कार्रवाई करे तो अवैध शराब के बड़े नेटवर्क का खुलासा हो सकता है-रंगवासा शराब दुकान पर आबकारी विभाग शक्ति से कार्रवाई करे तो कहीं बड़े नेटवर्क का खुलासा होगा है।अवैध शराब का माल कहां से आ रहा है। होटल,ढाबों, गुमटियों पर कौन शराब सप्लाई कर रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में किसकी गाड़ियां भरकर शराब देने जा रही किसकी इजाजत से शराब परोसने का काम चल रहा है। ऐसे बड़े नेटवर्क का खुलासा आबकारी विभाग कर सकता है। लेकिन अब देखना होगा रंगवासा शराब ठेकेदार पर आबकारी विभाग कार्रवाई करेगा या फिर लिफाफे की सेटिंग विभाग को कार्रवाई करने से रोकता रहेगा।

हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में इंदौर की एसेंशिया लक्जरी होटल को लगातार नई उपलब्धियां

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में इंदौर का एसेंशिया लक्ज़री होटल लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। अपनी उत्कृष्ट सेवाओं, अत्याधुनिक सुविधाओं और उत्कृष्ट प्रबंधन के लिए होटल को अब तक अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से अलंकृत किया जा चुका है। उपलब्धियों की इसी श्रृंखला में, होटल को 'मिर्ची बिजनेस क्लास अवार्ड्स - इंदौर 2026' के अंतर्गत 'सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस' से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, 'टाइम्स हॉस्पिटैलिटी आइकॉन्स 2026, मध्य प्रदेश' में होटल को 'आइकॉनिक लक्ज़री वेडिंग होटल' के पुरस्कार से भी नवाजा जा चुका है। ये विभिन्न सम्मान आतिथ्य क्षेत्र में होटल की सुदृढ़ प्रतिष्ठा और निरंतर बढ़ती विश्वसनीयता के प्रतीक हैं।

योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन एवं गुणवत्तापूर्ण विकास कार्य किए जाए - संभागायुक्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● संभागायुक्त भास्कर लक्षकार ने रविवार को इंदौर संभाग के बुरहानपुर जिले के कलेक्ट्रेट कार्यालय सभाकक्ष में विभिन्न विभागीय योजनाओं और कार्यों की समीक्षा की तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं पर विशेष ध्यान देते हुए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन एवं पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ दिलाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

संभागायुक्त लक्षकार ने वृंदावन ग्राम योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि यह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्राथमिकता वाली योजना है, इसके क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दिया जाए। कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने किसानों को बीज वितरण से पूर्व बीज की गुणवत्ता का परीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही बुरहानपुर में प्राकृतिक खेती से उत्पादित उत्पादों को उचित मंच उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य करने की बात भी कही।

स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने के दिए निर्देश-स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान संभागायुक्त लक्षकार ने स्टॉफ, दवाइयों की उपलब्धता, एक्सपायरी दवाओं के प्रबंधन, मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं, अस्पतालों में उपलब्ध मशीनों, सिकल सेल एवं कुपोषण की स्थिति की जानकारी ली।

राखी का उत्सव मीशो पर ऑर्डर्स में 36 प्रतिशत की वृद्धि

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पिछले एक महीने के दौरान मीशो पर राखी की खरीदारी में तेजी देखने को मिली। इस दौरान प्लेटफॉर्म ने पिछले वर्ष की समान राखी शॉपिंग अवधि की तुलना में ऑर्डर्स में लगभग 36प्रतिशत की वृद्धि और जीएमवी में लगभग 38प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, सोमवार 31 अगस्त 2026

न्यूज ब्रीफ

भावना शुद्ध होगी तो कर्म और कर्म शुद्ध होंगे तो जीवन की दिशा भी संवर जाएगी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कर्म के सिद्धांत में सबसे महत्वपूर्ण बात उसके भाव होते हैं। कर्म बाद में दिखाई देता है किन्तु उसकी शुरुआत भीतर उठने वाली भावना से होती है। यदि मन में गलत भावना होगी तो आगे चलकर वह पाप कर्म का कारण बनेगी इसलिए केवल बाहरी आचरण को सुधारना पर्याप्त नहीं है, अपने भीतर उठने वाले भावों को देखना और उन्हें शुद्ध करना भी आवश्यक है। भावना शुद्ध होगी तो कर्म भी शुद्ध होंगे और कर्म शुद्ध होंगे तो जीवन की दिशा भी संवर जाएगी। भविष्य बदलने की शुरुआत हमें अपने भावों से करना चाहिए। केवल धर्म की बातें सुन लेना, भगवान से कुछ मांग लेना या पूजा-पाठ कर लेना ही पर्याप्त नहीं है। धर्म तभी सार्थक होगा जब हम उसे अपने जीवन में भी धारण करें। संत शिरोमणि प.पू. विद्यासागर म.सा. के परम प्रभावक शिष्य और राष्ट्रसंत मुनि पुंगव प.पू. श्री सुधासागर महाराज ने सकल दिगम्बर जैन धर्म प्रभावना समिति के तत्वावधान में वीआईपी रोड स्थित किला मैदान, दलाल बाग परिसर में निर्मित विद्या-सुधा मंडप में चल रहे चातुर्मास महोत्सव की धर्मसभा में उक्त प्रेरक और ओजस्वी विचार व्यक्त किए।

विद्याधाम पर पूरे सावन माह में श्रद्धालुओं ने एक करोड़ महामंत्र जाप एवं सहस्त्रार्चन का कीर्तिमान बनाया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम पर महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सान्निध्य एवं आचार्य पं. राजेश शर्मा के निर्देशन में पूरे श्रावण मास में इस बार * 'ह्रीं नमः शिवायै च नमः शिवाय '* महामंत्र के एक करोड़ जाप का लक्ष्य पूरा किया गया। इस अनुष्ठान में प्रतिदिन 5 लाख जाप एवं सहस्त्रार्चन में औसतन 500 श्रद्धालुओं ने भाग लेकर विभिन्न पूजन सामग्रियों से भगवान शिवाशिव का विधिवत पूजन, अर्चन किया। पूरे माह एक करोड़ मंत्र जाप का यह अनुष्ठान संभवतः शहर में सबसे दिव्य और वृहद आयोजन था।

जन्माष्टमी जुलूस की तैयारियों पर चर्चा के लिए यादव अहीर संगठनों की बैठक आज शाम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●शहर के यादव अहीर संगठनों द्वारा अपने कुलदेवता भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव 4 सितम्बर को धूमधाम से मनाने की जोरदार तैयारियां की जा रही हैं। यादव अहीर समाज केंद्रीय समिति के तत्वावधान में समाज के 25 से अधिक संगठनों की महत्वपूर्ण बैठक रविवार 30 अगस्त को शाम 5 बजे से नंदबाग, श्वेता परिसर, दशरथ नगर पूल के पास रखी गई है जिसमें शहर के सभी प्रमुख यादव अहीर संगठनों के पदाधिकारी और प्रतिनिधि शामिल होकर 4 सितम्बर को निकलने वाली परंपरागत शोभा यात्रा की तैयारियों को अंतिम रूप देंगे। केंद्रीय समिति के संरक्षक दीपू यादव ने बताया कि बैठक में निगम सभापति मुन्नालाल यादव, पूर्व पार्षद शंकर यादव, पूर्व पार्षद रमेश यादव उस्ताद, बीएसएफ के पूर्व आईजी अशोक यादव सहित शहर के सभी यादव अहीर संगठनों के पदाधिकारी आमंत्रित किए गए हैं। इस बार भी यह शोभा यात्रा 4 सितम्बर को सुबह 10 बजे बड़ा गणपति चौराहा से प्रारम्भ होकर श्रम शिविर जेल रोड तक निकाली जाएगी। जिले के अन्य कस्बों और गाँवों के समाज बंधुओं को भी इस जुलूस का न्योता भेजा जा रहा है। जुलूस में मथुरा-वृंदावन के लोक कलाकार भी शामिल होंगे तथा अनेक संगठन राधा कृष्ण पर केन्द्रित रंगारंग झांकियां भी बनाएँगे।

विदेश से शक्कर बुला रहे, प्रदेश की शकर मिलों पर ताले

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल ●देश में चीनी की कीमतें बढ़ने के बीच सरकार ने बाजार में सप्लाई बनाए रखने के लिए 10 लाख टन चीनी आयात करने का फैसला किया है। दूसरी ओर, मध्य प्रदेश की कई चीनी मिलें वर्षों से बंद हैं और उनकी मशीनरी व परिसंपत्तियां जर्जर हो रही हैं। मुरैना की कैलारस शुगर मिल को दोबारा शुरू कराने की मांग को लेकर कांग्रेस विधायक पंकज उपाध्याय के आमरण अनशन ने इस मुद्दे को फिर चर्चा में ला दिया। सरकार के आश्वासन के बाद अनशन खत्म हो गया, लेकिन किसानों और कर्मचारियों में नाराजगी बनी हुई है। कैलारस शुगर मिल से गर्माया, जो करीब 15 साल से बंद है। इसे दोबारा शुरू कराने की मांग को लेकर कांग्रेस विधायक पंकज उपाध्याय ने आमरण अनशन शुरू किया। इसके बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी भी अनशन स्थल पर पहुंचे, जबकि राहुल गांधी ने आंदोलन को समर्थन दिया। विधायक ने मुरैना बंद की चेतावनी दी, जिसे क्षेत्र के कई किसान और कर्मचारी संगठनों का समर्थन मिला। सरकार के आश्वासन के बाद अनशन खत्म हो गया। कृषि मंत्री एदल सिंह कंसाना ने कहा कि कैलारस शक्कर मिल को दोबारा शुरू करने के लिए आगे की कार्रवाई की

जा रही है। हालांकि, विधायक और संगठन इससे संतुष्ट नहीं हैं। वजह यह है कि मिल को शुरू करने के लिए सरकार 2017 के बाद दो बार प्रयास कर चुकी है, लेकिन दोनों बार मामला कागजी प्रक्रिया से आगे नहीं बढ़ पाया। कैलारस मिल का मामला अकेला नहीं है। मध्य प्रदेश की छह बड़ी चीनी मिलें वर्षों से बंद हैं। इससे उनसे जुड़े किसान, कर्मचारी और स्थानीय कारोबार प्रभावित हुए हैं।

भोपाल शुगर इंडस्ट्रीज, सीहोर- इसकी स्थापना 1937 में भोपाल के अंतिम नवाब हमीदुल्लाह खान ने की थी, बाद में यह मुंबई के वाधवाना समूह के पास चली गई। इसकी क्षमता 1,250 ञ्जष्ठ्ठ (टन गन्ना प्रतिदिन) थी। 1994 से प्रबंधन-मजदूर विवाद शुरू हुए। प्रबंधन पर मिल को जानबूझकर घाटे में दिखाकर 'बीमार इकाई' घोषित करने के आरोप लगे। 2002-03 में मिल बंद हो गई। मिल के पास 4,365 एकड़ से अधिक कृषि भूमि है। आरोप है कि प्रबंधन ने भू-माफियाओं के साथ मिलकर जमीन बेची और कॉलोनियां विकसित कीं। हजारों मजदूरों का 107 करोड़ रुपये से अधिक वेतन और पीएफ बकाया होने का दावा है। इसे लेकर हाईकोर्ट में कानूनी लड़ाई चल रही है।

डबरा शुगर मिल, ग्वालियर - 1940 में सिंधिया रियासत के दौरान स्थापित इस मिल को तत्कालीन ग्वालियर राज्य ने जमीन दी थी। इसकी क्षमता 1,250 ञ्जष्ठ्ठ थी। वित्तीय संकट के चलते किसानों को गन्ने का भुगतान समय पर नहीं मिला। इसके बाद किसानों ने गन्ने की जगह दूसरी फसलें लेना शुरू कर दिया। कच्चे माल की कमी से मिल बंद हो गई। अब इसकी मशीनरी और जमीनें विवाद में हैं। डबरा चीनी मिल संघर्ष समिति के संजीव राजपूत कहते हैं कि मिल सरकार की उदासीनता के कारण बंद हुई है।

द मालवा सहकारी शक्कर कारखाना, इंदौर - नवंबर 1980 में स्थापित यह प्रदेश की बड़ी सहकारी चीनी मिलों में से एक थी। इंदौर, देवास और उज्जैन के 10,000 किसानों के अंशदान से बनी मिल की क्षमता 1,250 टीसीडीथी। 2001 के सूखे से गन्ने का उत्पादन घटा। कुप्रबंधन और करोड़ों के कर्ज के बीच 2002-03 में सरकार के आदेश पर मिल बंद कर दी गई। मिल पर सरकार का ?165 करोड़ कर्ज दर्ज है और किसान अपने अधिकारों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

नारायणपुरा मिल, गुना - वर्ष 2000 में सहकारिता मॉडल पर स्थापित इस मिल की क्षमता 2,500 क्विंटल प्रतिदिन थी। इससे 3,000 हेक्टेयर क्षेत्र के किसान जुड़े थे। बैंक कर्ज और बढ़ते ब्याज से मिल घाटे में चली गई। किसानों का भुगतान अटकने पर उन्होंने गन्ने की खेती बंद कर दी। इसके बाद 2017-18 में मिल बंद हो गई। जुलाई 2026 में गुना कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने तकनीकी टीम के साथ मिल का निरीक्षण किया। उन्होंने इसे दोबारा शुरू करने के लिए विशेष एक्शन प्लान की बात कही।नारायणपुरा शक्कर मिल संगठन के राधेश्याम चंदेल कहते हैं कि मिल बंद होने से करीब 80 गांवों के किसान प्रभावित हुए हैं, 2-3 हजार कर्मचारियों का वेतन बकाया है। सरकार इच्छाशक्ति दिखाए तो जर्जर फैक्ट्री को अब भी दोबारा चलाया जा सकता है।

मप्र के पूर्व मंत्री स्व दादा निर्भय सिंह पटेल की 30 वीं पुण्यतिथि

चौईथराम मंडी चौराहा स्थित प्रतिमा पर भाजपा नेताओं ने माल्यार्पण किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भाजपा इंदौर ग्रामीण के आधार स्तम्भ रहे मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री स्व दादा निर्भय सिंह पटेल की 30 वीं पुण्यतिथि पर आज चौईथराम मंडी चौराहे स्थित प्रतिमा पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक मनोज पटेल, रवि रावलिया ने माल्यार्पण किया। इस अवसर पर संबोधित करते हुए महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि दादा निर्भय सिंह पटेल ने विपरित परिस्थितियों में कड़े संघर्षों के साथ पार्टी संगठन को खड़ा करने का काम किया है। उनके कार्य आज भी आदर्श के रूप में स्थापित है। कार्यकर्ता उनके व्यक्तित्व और

कृतित्व को अपने जीवन में आत्मसात कर संगठन को मजबूत करने का काम करे। इस अवसर पर पार्षद ओपी आर्य, सुनील हार्डिया, सुभाष सुनेर, सोनाली धारकर, सुशील शर्मा, मनीष शर्मा, सुभाष पाटीदार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

टीईटी परीक्षा के विरोध में इंदौर के शिक्षक भी पहुंचे दिल्ली

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आजाद आध्यापक शिक्षक संघ मध्यप्रदेश के प्रान्तीय उपाध्यक्ष के.के.आर्य ने बताया की मध्य प्रदेश में हजारों शिक्षकों की गिरफ्तारी के बाद हजारों शिक्षक टीईटी परिक्षा के विरोध में दिल्ली पहुंचे। मध्यप्रदेश के हर जिले ब्लॉक सम्भाग से निकले शिक्षक साथियो को दिल्ली के आसपास की सीमा मे रोका। दिल्ली टीईटी परीक्षा के विरोध में उमड़ा शिक्षकों का सैलाब, मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्य के शिक्षको ने की हुंकार। दिल्ली में आयोजित टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) परीक्षा के विरोध में देश भर से जुटे शिक्षकों केकेआर्य प्रदेश उपाध्यक्ष आजाद अध्यापक शिक्षक संघ मध्यप्रदेश ने बताया की जाट मित्र मंडल, केशवपुरम से प्रदेश और देश के शिक्षक हितार्थ हुंकार भरी। केकेआर्य ने स्पष्ट किया कि आगे भी आंदोलन की व्यापक रूपरेखा तैयार कर शिक्षकों के अधिकारों की लड़ाई को तेज किया जाएगा।

शासन-प्रशासन की हताशा बेनकाब: आंदोलन में शामिल होने आ रहे प्रदेश के हजारों शिक्षकों को जगह-जगह रोके जाने की कार्रवाई को प्रशासन की हताशा बताया गया। केकेआर्य ने कहा कि यह इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि सरकार शिक्षकों के साथ अन्यायपूर्ण और दुर्व्यवहार पूर्ण रवैया अपना रही है।

शिक्षकों की प्रमुख और जायज मांगें: नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता की बहाली। पुरानी पेंशन योजना लागू करना। ग्रेजुएटी और अवकाश नगदीकरण का अधिकार। टीईटी परीक्षा के नाम पर शिक्षकों पर थोपे जा रहे दमनकारी नियमों को वापस लेना।

इतिहास गवाह है, संघर्ष कभी व्यर्थ नहीं जाता: महात्मा गांधी के नेतृत्व में चले स्वतंत्रता संग्राम से लेकर हालिया किसान आंदोलनों तक, हर जनआंदोलन ने देश की दिशा तय की है। 1998 से 2026 तक का यह लंबा संघर्ष अध्यापकों की एकता और अटूट शक्ति का परिणाम है।

न्याय की पुकार: स्वतंत्रता सेनानियों की तर्ज पर संविधान के दायरे में रहकर शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपने अधिकारों की रक्षा के लिए अब आर-पार की लड़ाई का वक्त आ गया है।

वैश्य समाजों के अधिक उम्र के प्रत्याशियों के अभा परिचय सम्मेलन में अनेक हाईटेक इंतजाम रहेंगे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मप्र वैश्य महासम्मेलन द्वारा अग्रवाल, जैन, माहेश्वरी, खंडेलवाल, चित्तौड़ा महाजन, गहोई वैश्य, विजयवर्गीय, मेढ़तवाल, नागर नीमा, पोरवाल सहित वैश्य समाजों के अधिक उम्र के युवक-युवतियों के अभा स्तर के परिचय सम्मेलन के लिए वैश्य घटकों के पदाधिकारियों की नियमित बैठकों का सिलसिला जारी है। शनिवार को आयोजित बैठक में यह निर्णय भी लिया गया कि जो प्रत्याशी मंच पर पहुंचकर परिचय देने में संकोच महसूस करेंगे, उनकी सुविधा के लिए परिचय सम्मेलन स्थल दस्तूर गार्डन पर एक विशेष स्टूडियो बनाया जाएगा, जिसमें बैठकर प्रत्याशी अपना परिचय देंगे जिसका प्रसारण समूचे गार्डन में लगाई गई एलईडी स्क्रीन के माध्यम से होगा। इसके अलावा मंच पर भी मेगा स्क्रीन लगाई जाएगी ताकि सम्मेलन में आने वाले सभी पालकों और प्रत्याशियों तक उनकी जानकारी पहुँच सके। समूचा परिसर पोलिथीन मुक्त रखने का भी निर्णय लिया गया।

तीन खिलाड़ी एशियन गेम्स के लिए जापान रवाना, 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

देवास ● देवास के लिए गर्व का मौका है। जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स में भारतीय सॉफ्टटेनिस टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए देवास के तीन खिलाड़ी रविवार को जापान रवाना हुए। इनमें जय मीणा, योगेश चौधरी और आध्या तिवारी शामिल हैं। भारतीय टीम के कोच और विश्वामित्र अवार्डी सुदेश सांगते भी टीम के साथ रवाना हुए हैं। एशियन गेम्स का आयोजन 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक आइची-नागोया में होगा। प्रतियोगिता से पहले भारतीय टीम का 1 से 15 सितंबर तक जापान में प्रशिक्षण कैंप लगेगा। देवास के तीनों खिलाड़ी एशियन गेम्स की तैयारी के लिए अब तक चार कैंप में हिस्सा ले चुके हैं। आध्या तिवारी देवास की बेटी हैं। वे एशियन गेम्स में भारतीय सॉफ्टटेनिस टीम का प्रतिनिधित्व करने वाली देवास की एकमात्र महिला खिलाड़ी हैं। जय मीणा और योगेश चौधरी भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं।

डॉ. जुही हलवे राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित रिसर्च फेलोशिप परीक्षा में प्रथम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● डॉ. जुही हलवे ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (ञ्जष्ट) द्वारा आयोजित जूनियर रिसर्च फेलोशिप परीक्षा 100 परसेंटाइल के साथ उत्तीर्ण कर देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस परीक्षा में 2669 चिकित्सको ने भाग लिया था। जिसमें जुही को सर्वोच्च अंक लेकर टॉप पर रही। डॉ जुही ने एम्स मेडिकल कॉलेज से पीजी डिग्री प्राप्त करने के उपरांत अब वो किसी बड़े मेडिकल कॉलेज से शासन द्वारा देय स्टाय फण्ड के साथ पीएचडी करेगी।

इंदौर विकासखंड में समाज कार्य स्नातक एवं परास्नातक के शैक्षणिक सत्र 2026-27 का सत्रारंभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद एवं महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत समाज कार्य स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रम के शैक्षणिक सत्र 2026-27 का सत्रारंभ कार्यक्रम रविवार को शासकीय होल्कर साइंस महाविद्यालय, इंदौर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मप्र जन अभियान परिषद के प्रदेश शासी निकाय सदस्य विनोद मोहिने रहे।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत ग्राम असीर में चौथा क्षेत्र भ्रमण आयोजित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सहित बुरहानपुर जिले में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 का प्राथमिकता के साथ संचालन किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करना है। अभियान के चार प्रमुख स्तंभ संवाद, समाधान, संवेदनशीलता एवं सादगी हैं। इसी क्रम में शनिवार को अभियान के तहत चौथा क्षेत्र भ्रमण ग्राम पंचायत असीर में आयोजित किया गया। शिविर में सांसद ज्ञानेश्वर पाटील, नेपानगर विधायक सुश्री मंजू दादू, संभागायुक्त इंदौर संभाग श्री भास्कर लक्षकार एवं कलेक्टर श्री हर्ष सिंह सहित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। इस दौरान ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं, शिकायतें एवं आवश्यकताएं खुलकर जनप्रतिनिधियों तथा प्रशासन के समक्ष रखीं।

शिविर में सांसद ज्ञानेश्वर पाटील ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए पूरा प्रशासन आज उनके बीच उपस्थित है। ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने ग्रामीणों से अपनी समस्याएं खुलकर बताने का आग्रह किया।

शिविर में संभागायुक्त भास्कर लक्षकार ने कहा कि मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान का उद्देश्य शासन और प्रशासन को ग्रामीणों के बीच पहुंचाकर जमीनी स्तर पर नागरिकों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं तथा गांव में नागरिकों को मिल रही शासकीय सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी स्वयं ग्रामीणों के बीच उपस्थित हैं, इसलिए ग्रामीण इस अवसर का लाभ उठाते हुए अपनी समस्याएं एवं सुझाव खुलकर रखें। संभागायुक्त लक्षकार ने नागरिकों से आयुष्मान कार्ड, स्कूल स्टॉफ आदि समस्याओं की जानकारी भी प्राप्त की। कलेक्टर हर्ष सिंह ने ग्रामीणों को फॉर्मर रजिस्ट्री, नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा, पेयजल, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान कार्ड एवं आधार अपडेशन सहित विभिन्न विषयों की जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीणों से शासकीय योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ मिलने की स्थिति की जानकारी भी ली तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

अपनी हॉबी के लिए समय निकालिए

प्रभु ने इस धरती के प्रत्येक प्राणी को अनूठी यूनिक सिग्नेचर स्ट्रेंथ दी है। जैसे मकड़ी को जाला बनाने की, तो चींटी को सूँघने की। फिर हम तो इनसान हैं-कुदरत की सबसे नायाब कृति। उसने हम सबको एक-न-एक हुनर अवश्य दिया है। कोई अच्छा गाता होगा, कोई अच्छा लिखता होगा, कोई रंगोली बनाता होगा। होता यह है कि कामकाज, तरक्की की दौड़ में हमारी यह काबिलियत पीछे छूट जाती है। समय बीत जाने के बाद हम चाहकर भी उस हॉबी से अपने-आपको पूरी तरह जोड़ नहीं पाते। चाहे दिन में, चाहे सप्ताह में, चाहे महीने में, कभी भी समय निकालिए पर अपनी ख़ासियत को ज़िन्दा रखिए। जब भी जीवन का उत्तरार्द्ध आएगा, समाज, बाजार, परिवार हमें खारिज कर देगा, तब यही शौक़ हमें ऑक्सीजन देंगे। अगर आपको बागवानी का शौक़ है तो बढ़ते पौधे और उन पर लहलहाते फूल आपको वही आनन्द देंगे जो अपने बच्चों को बड़ा होते देख आपको आया होगा। दौर बदल गया है, पैसा अब आम हो गया है। अब समाज में लोगों की बात सिर्फ इसलिए नहीं होती कि वे धनवान हैं। लेकिन किसी में कोई अतिरिक्त योग्यता है तो उसकी चर्चा जरूर होती है। खिलाड़ी, गायक, संगीतकार, लेखक, नर्तक, वक्ता - सभी को समाज में एक अलग मान्यता मिलती है। खूब परिश्रम करके अपने काम-काज में आप नम्बर वन हो सकते हैं। अगर आपने अपने शौक़, अपनी विशेषज्ञता पर लगातार काम करके उसे पराकाष्ठा पर पहुँचा दिया तो आप अपने क्षेत्र में ऑनली वन हो सकते हैं। एक फ़ायदा और जिस काम में आपको आनन्द आता है, अगर आपने उसे अपना व्यवसाय बना लिया तो फिर आपको ज़िन्दगीभर एक भी दिन काम नहीं करना पड़ेगा। लोग कहेंगे कि संगीत, साहित्य, कला में रुचि न भी हो तो हम मर नहीं जाएँगे। सही बात है, ज़िन्दगी पूरी जिएँगे। इतिहास उठाइए, जिन देशों ने इन पर बैन किया, वे दस-बीस साल में आतंकवाद की गिरफ़्त में चले गए। जिस तरह शरीर की सफ़ाई के लिए प्रतिदिन नहाना जरूरी है, उसी तरह इन कलाओं का सान्निध्य, इनका साथ; आत्मा से वैमनस्य, अवसाद, गुस्से की सफ़ाई में मदद करता है। पुनः मूल बात पर आ जाएँ। हम ख़ुद को मॉटीवेट रखना चाहते हैं, पूरा जीवन आनन्द के साथ जीना चाहते हैं। अपनी अलग पहचान चाहते हैं तो अपनी हॉबी के लिए समय ज़रूर निकालिए।धन्यवाद

- मेरे कुछ दोस्त बेहद ग़रीब हैं, उनके पास सिर्फ़ पैसा है।

सतीश शर्मा

किसी की प्यास ने बदल दी एक आईएएस अधिकारी की मंजिल

आत्यागपत्र आमतौर पर सेवा का अंत माना जाता है, लेकिन हर विदाई अंत नहीं होती। कुछ विदाइयां यह सवाल छोड़ जाती हैं कि असली सेवा आखिर होती क्या है—कुर्सी पर बैठकर निर्णय लेना या उस कुर्सी से बाहर निकलकर उन लोगों के बीच जाना, जिनके सपनों के नाम पर व्यवस्था खड़ी की गई है। उत्तर प्रदेश कैडर की 2013 बैच की आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल का लगभग 13 साल की सेवा के बाद इस्तीफा इसी सवाल को सामने रखता है। उनका कहना-'अब जनता के सपनों को जीने का समय आ गया है'-सिर्फ नौकरी छोड़ने की घोषणा नहीं, बल्कि उस यात्रा का अगला पड़ाव है जिसमें पद साधन था और मनुष्य मंजिल।

दिव्या मित्तल की कहानी में चमक भी है और बेचैनी भी। आईआईटी दिल्ली और आईआईएम बैंगलोर से पढ़ाई, फिर लंदन में जेपी मॉर्गन जैसी प्रतिष्ठित संस्था की नौकरी-दुनिया की नजर में इससे बेहतर उपलब्धि क्या होती? मगर जीवन की कठिन कमी कभी-कभी उपलब्धियों से पूरी नहीं होती। विदेश में रहते हुए उन्हें अपने देश से दूर होने की टीस महसूस हुई। उन्होंने माना कि उनकी शिक्षा, आत्मविश्वास और दुनिया में कहीं भी सिर उठाकर चलने की क्षमता इसी मिट्टी का ऋण है। उसी ऋण ने उन्हें लौटाया। दो बार यूपीएससी दी; पहली बार (2012) आईपीएस चयन और दूसरी बार (2013) अखिल भारतीय रैंक 68 के साथ आईएएस। यह केवल परीक्षा की सफलता नहीं थी, बल्कि भीतर उठती पुकार का जवाब था।

मिर्जापुर ने उस पुकार को अर्थ दिया। लहुरियादह (मिर्जापुर के हलिया ब्लॉक का पहाड़ी गांव) में जब पाइप के रास्ते पानी पहुंचा और करीब सत्तर-पचहत्तर साल बाद पहली बार किसी नल से पानी निकला, तब विकास किसी सरकारी रिपोर्ट का शब्द नहीं रहा। वह पानी बनकर सामने था। एक वृद्ध महिला ने कोई भाषण या औपचारिक धन्यवाद नहीं दिया; उन्होंने बस कांपते हाथों से दिव्या के सिर पर हाथ रखा और आशीर्वाद दिया। उस स्पर्श ने शायद किसी प्रशस्ति-पत्र से अधिक गहरी बात कह दी। दिव्या ने लिखा कि वह यह सोचकर आई थीं कि कुछ देने जा रही हैं, जबकि असल में सबसे ज्यादा उन्होंने ही पाया। यही वह क्षण है जब अधिकारी की आंख से फाइल हटती है और सामने इंसान दिखाई देता है।

उनके अनुभवों की दूसरी किताब देवरिया और मिर्जापुर ने मिलकर लिखी। देवरिया ने उन्हें बताया कि सही के साथ खड़ा होना सुविधा नहीं, कर्तव्य है। मिर्जापुर ने सिखाया कि 'असंभव' हमेशा पत्थर पर लिखी हुई सच्चाई नहीं होता; कई बार वह केवल किसी की बनाई हुई धारणा होता है। जमीन का अधिकार पाकर परिवार की आंखों में लौटती चमक, विकलांग व्यक्ति को मिलती गरिमा या किसान के खेत तक पहुंचता पानी—इन छोटे दिखने वाले बदलावों ने प्रशासन की बड़ी-बड़ी परिभाषाओं को उनके सामने छोटा कर दिया। तब सवाल उठना स्वाभाविक है कि जिसने व्यवस्था के भीतर रहकर इतने अर्थ खोज लिए, वह उसी व्यवस्था से बाहर क्यों चला गया? इस प्रश्न का आसान उत्तर शायद कोई नहीं है। न उन्होंने किसी एक घटना को इस्तीफे का कारण बताया, न किसी टकराव को। उनका कहना है—'कुछ भी ट्रिगर नहीं हुआ। पिछले कुछ महीनों से लग रहा था कि मैं इस काम से हो गई हूं।' इस वाक्य को शिकायत की तरह पढ़ना भूल होगी। यह उस व्यक्ति की स्वीकारोक्ति है जिसने अपने हिस्से का रास्ता चलकर महसूस किया कि अब दिशा बदलनी चाहिए। व्यवस्था में रहकर परिवर्तन करना एक रास्ता है, लेकिन हर परिवर्तन का पता सरकारी पदनाम से होकर नहीं गुजरता। कभी-कभी पद से बाहर निकलना भी अपने विश्वास के प्रति ईमानदारी होता है।

यही कारण है कि उनका इस्तीफा उन युवाओं के लिए महत्वपूर्ण है, जो सिविल सेवा को अंतिम मंजिल मानकर वर्षों तक किताबों, परीक्षाओं और रैंक के बीच अपना भविष्य खोजते हैं। दिव्या का जीवन बताता है कि आईएएस बनना उपलब्धि हो सकती है, उद्देश्य नहीं। लंदन की सुरक्षित और प्रतिष्ठित नौकरी छोड़कर भारत लौटना एक चुनाव था; आईएएस की प्रतिष्ठित कुर्सी छोड़ना दूसरा। दोनों फैसलों के पीछे एक ही बेचैनी थी—अपने देश और लोगों के लिए कुछ करने की। अब उनके इस्तीफे के बाद राजनीति में जाने की अटकलें हैं। उनका जवाब है—'जब समय आएगा, तब बोलूंगी।' शायद यह मौन जल्दबाजी से बेहतर है, क्योंकि हर सपना घोषणा से नहीं, तैयारी से आकार लेता है।

दिव्या का जाना प्रशासनिक व्यवस्था के सामने एक असहज आईना रखता है। सिविल सेवा राज्य की रीढ़ है और स्वेच्छा से अलग होने वाला हर अधिकारी एक सवाल छोड़ता है—क्या व्यवस्था उन लोगों के लिए पर्याप्त जगह बना पा रही है, जिनकी बेचैनी केवल फाइल निपटाने से शांत नहीं होती? इसका अर्थ यह नहीं कि हर इस्तीफा व्यवस्था की विफलता है। लेकिन ऐसे फैसले हमें व्यवस्था के उद्देश्य पर फिर सोचने को मजबूर करते हैं। पद रहते हुए दिव्या ने पानी पहुंचाया; अब पद से बाहर निकलकर भी वे शायद उन प्यासों तक पहुंचना चाहती हैं, जिन्हें सरकारी सीमाएं नहीं छू पातीं। सेवा का रास्ता बदल सकता है, सेवा की प्यास नहीं।

आखिर में बचता है वही कांपता हाथ, जो एक बुजुर्ग महिला ने उनके सिर पर रखा था। सरकारी कुर्सी बदलती है, पदनाम मिट जाता है, फाइलें दूसरी मेज पर चली जाती हैं; लेकिन किसी की आंख में लौटी उम्मीद और किसी आंगन में पहली बार बहा पानी स्मृति से नहीं जाता। दिव्या मित्तल का इस्तीफा इसलिए महत्वपूर्ण नहीं कि एक आईएएस अधिकारी ने नौकरी छोड़ दी। महत्वपूर्ण यह है कि उन्होंने पद और उद्देश्य में फर्क करने का साहस दिखाया। कुर्सी सेवा का माध्यम थी; जनता का सपना मंजिल। अब देखना है कि पद से मुक्त हुई यह ऊर्जा किस दिशा में बहती है। कुछ सपने कुर्सी पर बैठकर पूरे होते हैं, कुछ कुर्सी छोड़ने के बाद चलना शुरू करते हैं।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

सड़क पर बहता मासूम लहू, और बेहया बाज़ार की निर्मम अर्थव्यवस्था

सवाल यह नहीं कि नियम तोड़ कर दुर्घटना ग्रस्त होना सामान्य बात क्यों है, असली सवाल यह है कि सड़क दुर्घटना के बाद किसका गल्ला भरता है

कल्पना कीजिए, एक भरा-पूरा परिवार। सुबह घर का मुखिया काम पर निकलता है, शाम को खबर आती है कि वह सड़क पर बिछा पड़ा है। उस एक सेकंड के झटके में केवल एक हड्डी नहीं टूटती, एक ज़िंदगी की रीढ़ चटक जाती है। अस्पताल का बिल आता है, ज़मीन बिकती है, जमा-पूंजी स्वाहा हो जाती है और परिवार बरसों के लिए अंधेरे में धकेल दिया जाता है। हम इसे और एक 'हादसा' कहकर हाथ झाड़ लेते हैं। लेकिन ठहरिए, क्या यह सिर्फ एक हादसा है? या फिर एक बहुत बड़े, निर्दयी और खामोश बाज़ार का नियमित कच्चा माल।

आंकड़ों में गिनती मौतों की होती है, उजड़ते घरों की नहीं-वर्ष 2025 में हमारे देश की सड़कों पर 1,83,382 लोग मारे गए। रोज़ाना 500 से ज़्यादा लाशें। दुनिया में कहीं कोई युद्ध चल रहा हो तो अखबारों के पन्ने रंग जाते हैं, लेकिन हमारे अपने मुल्क की सड़कों पर हर रोज़ एक युद्ध चल रहा है और हम आँखें मूंदे निस्पृह भाव से बैठे रहते हैं। आंकड़े कहते हैं कि यह खूनी खेल देश की जीडीपी को हर साल 3 से 5 फ़ीसदी, यानी लाखों करोड़ रुपयों की चपत लगाता है। लेकिन इन आंकड़ों में वह बेबसी दर्ज नहीं होती जब एक पिता अपने अपाहिज बेटे के आईसीयू बिल के भुगतान के लिए रिश्तेदारों के आगे हाथ फैलाता है।

दुर्घटना टालने का कोई प्रोत्साहन नहीं, दुर्घटना होने का भारी कारोबार- कड़वा सच यह है कि इस देश में दुर्घटना को रोकने की कोई 'मार्केट वैल्यू' नहीं है। यदि आप सुरक्षित घर पहुँच गए, तो किसी का मीटर डाउन नहीं हुआ। लेकिन जैसे ही सड़क पर खून बहा, अस्पतालों के आईसीयू, महंगे इम्प्लांट्स, दवा कंपनियाँ, गैरेज, क्रेन, इंश्योरेंस क्लेम और एजेंटों की पूरी फ़ौज एक साथ हरकत में आ जाती है। यह कोई छुपा हुआ षड्यंत्र नहीं, बल्कि व्यवस्था की वह सड़ांध है जिसे अर्थशास्त्र की भाषा में 'इंसेंटिव स्ट्रक्चर' कहते हैं। हमारी व्यवस्था दुर्घटना के बाद पैसा बहाने और कमाने के लिए तो पूरी मुस्तैदी से तैयार रहती है, लेकिन उस दुर्घटना को होने से पहले रोकने के लिए न नीयत है, ना ही बजट।

राजस्व का लालच और संस्कार का अकाल- हमने सड़क सुरक्षा का मतलब क्या निकाल लिया है, चौराहों पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लैस कैमरे लगाना और चालान काटना। क्या किसी शहर की सुरक्षा का पैमाना यह होना चाहिए कि उसने नागरिकों की जेब से कितना जुर्माना वसूला। चालान का लक्ष्य खज़ाना भरना नहीं, लोगों की जान बचाना होना चाहिए था। लाल बत्ती पर रुकना पुलिस के डर से नहीं, भीतर के ज़मीर से आना चाहिए। जब तक हम अपने बच्चों को स्कूल में 'डिफेंसिव ड्राइविंग' और सड़क पर दूसरों के जीवन का सम्मान करना नहीं सिखाएंगे, तब तक पुलिस और कैमरे सिर्फ चालान की रसीदें फाड़ते रहेंगे, लाशें गिरना बंद नहीं होंगी।

आज व्यवस्था और समाज दोनों के सामने दो ही रास्ते हैं:

पहला रास्ता: हाथ पर हाथ धरे बैठे रहिए, रोज़ 500 से अधिक लोगों को मरने दीजिए और फिर अस्पताल, इंश्योरेंस और एजेंटों की विशाल मशीनरी को नोट गिनने दीजिए।

दूसरा रास्ता: नागरिक के भीतर वह बुनियादी विवेक और संस्कार पैदा कीजिए कि वह चौराहे पर लाल बत्ती देखकर बिना किसी सिपाही के भी खुद-ब-खुद ठहर जाए। पहला रास्ता बहुत महंगा और अमानवीय है। दूसरा रास्ता केवल संस्कार मांगता है।

सड़क पर सुरक्षा कोई सरकारी रियायत नहीं, नागरिक की चेतना का इम्तिहान है। जब तक हम दुर्घटना को रोकने को, दुर्घटना के बाद चलने वाले बाज़ार से बड़ा राष्ट्रीय कर्तव्य नहीं मानेंगे, तब तक 'सड़क सुरक्षा सप्ताह' के नाम पर सिर्फ भाषणबाज़ी और रस्म अदायगी ही होती रहेगी। - **राजकुमार जैन,** यातायात प्रबंधन विशेषज्ञ

आंचलिक

जैन परिवार द्वारा नेत्रदान

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● शनिवार को सुबह जोबट निवासी सोहनलाल जैन का देहावसान हो गया था... ऐसी विकट परिस्थिति के बावजूद परिवार ने उनके नेत्रदान का निर्णय लिया... इस हेतु जोबट मानव सेवा कल्याण समिति से संपर्क किया गया... समिति द्वारा मेडिकल स्टाफ के सहयोग से अल्प समय में ही नेत्रदान की प्रक्रिया पूर्ण की.. मानव सेवा कल्याण समिति द्वारा बताया गया की इस नेत्रदान से कम से कम दो लोगो को आँखों में रोशनी प्राप्त होगी... समिति द्वारा इस अनुकरणीय और मानव समाज के हित में किये गए नेत्रदान हेतु दिवंगत आत्मा के पुत्र अनुराग जैन और उनके परिवार का आभार व्यक्त किया गया... साथ ही श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

ओंकारेश्वर में स्नान के दौरान श्रद्धालु डूबा

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● ओंकारेश्वर के ब्रह्मपुरी घाट पर रविवार सुबह स्नान के दौरान एक श्रद्धालु की डूबने से मौत हो गई। हादसा सुबह करीब 4.30 बजे हुआ। मृतक की पहचान उत्तराखंड निवासी 45 वर्षीय गोविंद सैनी पुत्र रामचंद्र सैनी के रूप में हुई है।हादसे की सूचना मिलने के बाद एसडीईआरएफ जवान अमन मालाकार और डायल-112 के जवान जय उछाने की मदद से गोविंद को सिविल अस्पताल ओंकारेश्वर पहुंचाया गया। डॉक्टर रवि वर्मा ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मृतक के साथ आए परिजन अनु सैनी ने अस्पताल की आपातकालीन व्यवस्थाओं पर नाराजगी जताई। उनका कहना है कि अस्पताल में एंबुलेंस और वेंटिलेटर जैसी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं। ऐसे में गंभीर हालत वाले मरीज को तत्काल बेहतर उपचार मिलना मुश्किल हो जाता है। अनु सैनी ने कहा कि ओंकारेश्वर देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शामिल है और यहां रोज बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए अस्पताल में पर्याप्त चिकित्सा और आपातकालीन सुविधाएं होना जरूरी है। उनका कहना है कि हादसे के बाद समय पर बेहतर उपचार मिलने से गंभीर मरीज की जान बचने की संभावना बढ़ सकती है।

पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की

घटना की सूचना मिलने पर मांधाता थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। डॉ. रवि वर्मा ने शव का पोस्टमार्टम किया। प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। घटना के बाद तीर्थ क्षेत्र में आपातकालीन स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

श्री धारनाथ भगवान के छबीना की तैयारियां प्रारंभ

बाबा धारनाथ राजा निकलेंगे प्रजा का हाल जानने

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● नगर में 07 सितंबर, सोमवार को श्री धारनाथ भगवान छबीना निकाला जाना है। जिसे लेकर आयोजक संस्था श्री धर्म स्थान रक्षक मंडल धार की तैयारियां मंडल अध्यक्ष डॉ शरद विजयवर्गीय के नेतृत्व में प्रारंभ कर दी गई है। उक्त बात कहते हुए संस्था सचिव अजय डॉ मनोहर सिंह ठाकुर ने बताया की धार नगर में बाबा धारनाथ के छबीना का भी उज्जैन और ओंकारेश्वर जितना ही धार्मिक महत्व है। यहां भी नगर और आस पास की जनता हजारों की संख्या में आस्था के साथ बाबा के छबीना में सम्मलित हो कर एक झलक हेतु इंतजार करती है । यहा भी बाबा नगर भ्रमण पर राजा के रूप में अपनी प्रजा का कुशलक्षेम जानने हेतु निकलते है। जो की परम्परानुसार धार महाराज के यहां की चांदी के चारों और मूट से जड़ित पालकी में सवार होते है जिसे धार के माझी समाज के युवा पूरी आस्था के साथ बिना चरण पादुका के कंधे पर उठाए नगर भ्रमण कराते है।ठाकुर ने बताया की धार नगर में धार महाराज द्वारा करीब 80 वर्षों पूर्ण प्रारंभ की गई यह परंपरा निरंतर रूप से आयोजक संस्था श्री धर्मस्थान रक्षक मंडल धार के द्वारा बनाए रखते हुए इस समय 81 वे वर्ष में भी पूरे राजशाही ठाठ बाट के साथ निकलेगी जो की शाम 04 बजे श्री धारेश्वर मंदिर धार से महाआरती के बाद गार्ड ऑफ ऑनर के पश्चात प्रारंभ हो कर रात्रि 12 बजे के पूर्व मंदिर प्रागण में पधार कर महा आरती के पश्चात प्रसाद वितरण के साथ समाप्त होगी । जिसमें इस वर्ष अपने स्वयंम के वहन पर आशुतोष विजयवर्गीय द्वारा 11000 अभिमंत्रित रुद्राक्ष का वितरण भी छबीना में किया जाएगा। जिसे लेकर मंडल पदाधिकार ज्ञानेंद्र त्रिपाठी द्वारका अग्रवाल, दिनेश भाई,अमर सिंह जी नौगांव सजन बोर्दियाँ,सहित समस्त पदाधिकारी कार्य कर्ताओं के द्वारा उक्त आयोजन को भव्यता देने हेतु अपने अपने स्तर पर तैयारियां प्रारंभ कर दी है।

सूदखोरों के बढ़ते आतंक से धार में चिंता, ब्याज के बोझ तले दब रहे पीड़ित

तीन साल में 30 हजार रूपये के बदले चुकाए 2 लाख रूपये , फिर भी 2 लाख रूपये की और मांग

अजय नलवाया (7879800048)

धार ● दैनिक इंदौर संकेत

जिले में कथित तौर पर अवैध ब्याज पर रुपए देकर कई गुना राशि वसूलने और पीड़ितों पर दबाव बनाने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। सूदखोरी के बढ़ते मामलों को लेकर आम लोगों में चिंता का माहौल है। आरोप है कि जरूरतमंद लोगों को ऊंची ब्याज दर पर राशि उपलब्ध कराकर बाद में मूलधन से कई गुना रकम वसूली जाती है। समय पर भुगतान नहीं होने पर कथित रूप से फोन कॉल, धमकी और चेक लगाने जैसी कार्रवाई का भय दिखाया जाता है।

इसी क्रम में धार से एक और मामला सामने आया है। पीड़ित ने अपनी पहचान सार्वजनिक नहीं करने का अनुरोध किया है। पीड़ित के अनुसार, उसने करीब तीन वर्ष पहले 30 हजार रूपये की राशि उधार ली थी, जिसके बदले अब तक लगभग 2 लाख रूपये अदा किए जा चुके हैं। इसके बावजूद कथित सूदखोर द्वारा अभी भी करीब 2 लाख रूपये और देने का दबाव बनाया जा रहा है।

चेक और स्टांप के नाम पर दबाव बनाने का आरोप - पीड़ित का आरोप है कि उसके पास मौजूद चेक और स्टांप का हवाला देकर बार-बार फोन किया जा रहा है तथा चेक लगाने की धमकी दी जा रही है। लगातार हो रही कथित मांग और दबाव के कारण पीड़ित मानसिक रूप से

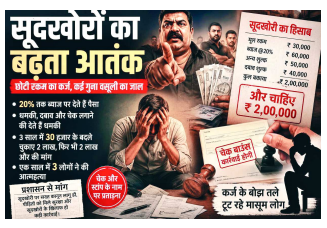

परेशान है। पीड़ित ने आशंका जताई है कि यदि समय रहते उसे इस दबाव से राहत नहीं मिली तो स्थिति गंभीर हो सकती है।

20 प्रतिशत ब्याज पर रकम बढ़ाने का आरोप - स्थानीय स्तर पर यह भी आरोप लगाए जा रहे हैं कि कुछ लोग 20 प्रतिशत तक ब्याज पर रकम देकर बाद में ब्याज और अन्य कथित शुल्क जोड़कर कई गुना राशि वसूलते हैं। जरूरतमंद व्यक्ति शुरुआत में छोटी रकम लेता है, लेकिन ब्याज बढ़ते-बढ़ते उस पर भारी आर्थिक बोझ आ जाता है। आरोप है कि भुगतान के लिए दबाव और धमकी के चलते कई पीड़ित मानसिक तनाव में पहुंच जाते हैं।

एक साल में तीन आत्महत्याओं की बात ने बढ़ाई चिंता - पीड़ित पक्ष का कहना है कि पिछले एक वर्ष के दौरान सूदखोरी के दबाव और कथित प्रताड़ना से जुड़े मामलों में तीन लोगों द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटनाओं ने पूरे मामले की गंभीरता बढ़ा दी है। हालांकि, प्रत्येक घटना के कारणों की पुष्टि संबंधित जांच और आधिकारिक रिकॉर्ड से होना आवश्यक है। ऐसे में प्रशासन द्वारा सूदखोरी से जुड़े मामलों की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाना जरूरी है।

प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग - पीड़ित ने प्रशासन और पुलिस से मांग की है कि ऊंची ब्याज दर पर पैसा देकर कथित रूप से कई गुना राशि वसूलने वालों की जांच की जाए। साथ ही चेक, स्टांप या अन्य दस्तावेजों के माध्यम से यदि किसी व्यक्ति पर अनुचित दबाव बनाया जा रहा है तो उसकी भी जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

इस खबर के माध्यम से प्रशासन से अपील है कि सूदखोरी से जुड़े मामलों को गंभीरता से लेते हुए शिकायतों की गोपनीयता बनाए रखकर पीड़ितों को कानूनी संरक्षण दिया जाए। किसी भी व्यक्ति को आर्थिक लेन-देन के विवाद में धमकी, दबाव या मानसिक प्रताड़ना का सामना न करना पड़े, इसके लिए प्रभावी कार्रवाई आवश्यक है।

अगले अंक में सामने आएंगे दस्तावेज और नाम - फिलहाल पीड़ित की पहचान और कथित सूदखोरों के नाम सार्वजनिक नहीं किए जा रहे हैं। उपलब्ध दस्तावेजों, चेक-स्टांप और शिकायतों की पुष्टि के बाद ही आगे की जानकारी प्रकाशित की जाएगी। यदि पीड़ित द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों और आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि होती है, तो अगले अंक में संबंधित नाम और दस्तावेजी साक्ष्यों के साथ विस्तृत खबर प्रकाशित की जाएगी।

दादाजी मंदिर निर्माण के लिए एक वेंडर निरस्त, अब बकाया वेंडर्स के काम देखेंगे

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● श्री दादाजी मंदिर नवनिर्माण को लेकर शनिवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में मंदिर निर्माण की गुणवत्ता, मार्बल और नक्काशी के लिए वेंडर चयन व आगामी निर्माण कार्यों की प्रगति को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में पिछली बैठक में चयनित किए गए कुल पांच वेंडर्स के मार्बल एवं नक्काशी से संबंधित रिपोर्ट समिति के सामने रखी गई। रिपोर्ट और गुणवत्ता का परीक्षण करने के बाद समिति ने सर्वसम्मति से पांच में से एक वेंडर को निरस्त करने का निर्णय लिया। समिति के अनुसार संबंधित वेंडर का मार्बल और नक्काशी का कार्य अपेक्षित गुणवत्ता का नहीं पाया गया। अब मंदिर निर्माण के लिए चार वेंडर्स विकल्प में रह गए हैं।

बैठक में तय किया गया कि समिति के कुछ सदस्य शेष चार वेंडर्स द्वारा पूर्व में बनाए गए मंदिरों और उनके मार्बल-नक्काशी के कार्य को मौके पर जाकर देखेंगे। यह निरीक्षण वेंडर के काम की गुणवत्ता, नक्काशी की बारीकी और मंदिर निर्माण में इस्तेमाल सामग्री की वास्तविक स्थिति का आकलन करने के लिए किया जाएगा। मौके के निरीक्षण के बाद अगली बैठक में चारों वेंडर्स को बुलाया जाएगा। समिति उनके कार्यों की विस्तृत जानकारी लेने के बाद वेंडर चयन को लेकर अंतिम निर्णय करेगी। समिति का प्रयास है कि चयन की प्रक्रिया जल्द पूरी हो, ताकि दादाजी मंदिर के नवनिर्माण कार्य को गति दी जा सके। बैठक में सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने मंदिर निर्माण से जुड़े वेंडर्स के भुगतान को लेकर भी अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी वेंडर्स के भुगतान समय पर होते रहें, ताकि निर्माण कार्य में किसी प्रकार की बाधा न हो। उन्होंने निर्माण प्रक्रिया को सुचारु रूप से आगे बढ़ाने और काम में अनावश्यक देरी नहीं होने देने पर जोर दिया।

श्रीलंका से छिनी चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी, आईसीसी का बड़ा फैसला

दुबई (एजेंसी) • 2027 में होने वाली पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी श्रीलंका से छिन गई है। आईसीसी ने श्रीलंका क्रिकेट में सरकारी दखल को लेकर आपत्ति जताई है। अब 14 से 28 फरवरी तक होने वाला छह टीमों का टूर्नामेंट किसी दूसरे देश में खेला जाएगा। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड का कामकाज फिलहाल सरकार की बनाई ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी देख रही है। आईसीसी के नियमों के मुताबिक सदस्य बोर्ड को सरकार के हस्तक्षेप के बिना स्वतंत्र रूप से काम करना होता है। एसएलसी ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी के सचिव प्रकाश शाफ्टर ने मेजबानी हटाए जाने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट श्रीलंका से बाहर होगा, लेकिन नए मेजबान का फैसला अभी नहीं हुआ है। आईसीसी श्रीलंका में जल्द चुनाव कराने और निर्वाचित क्रिकेट बोर्ड बहाल करने की मांग कर रहा है। ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी के प्रतिनिधियों को आईसीसी बोर्ड की बैठकों में शामिल होने की अनुमति भी नहीं है। महिला चैंपियंस ट्रॉफी 14 से 28 फरवरी, 2027 तक टी-20 फॉर्मेट में खेला जाना है। इसमें छह टीमें हिस्सा लेंगी। मेजबान होने के कारण श्रीलंका को सीधे टूर्नामेंट में जगह मिलनी थी। अब मेजबान बदलने के बाद उसकी भागीदारी पर भी सवाल खड़ा हो गया है। श्रीलंका फिलहाल महिला वनडे रैंकिंग में छठे स्थान पर है। आईसीसी ने अभी नई क्वॉलिफिकेशन व्यवस्था स्पष्ट नहीं की है। टूर्नामेंट दूसरे देश में जाने से श्रीलंका को क्रिकेट के साथ आर्थिक नुकसान भी होगा। टीमों, अधिकारियों और दर्शकों के आने से होटल और पर्यटन कारोबार को फायदा मिलना था। ब्रॉडकास्टिंग और आयोजन से होने वाली कमाई का हिस्सा भी श्रीलंका को नहीं मिलेगा। इसके अलावा घरेलू क्रिकेट के लिए मिलने वाले आयोजन से जुड़े अवसर भी खत्म हो जाएंगे।

सरकारी दखल को लेकर श्रीलंका पहले भी आईसीसी की कार्रवाई झेल चुका है। 2023 में आईसीसी ने एसएलसी को निलंबित कर दिया था। इसके बाद 2024 मेंस अंडर-19 वर्ल्ड कप की मेजबानी भी श्रीलंका से छीनकर साउथ अफ्रीका को दे दी गई थी। अप्रैल, 2026 में श्रीलंका सरकार ने बोर्ड का कामकाज अस्थायी तौर पर ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी को सौंपा था। आईसीसी तब से निर्वाचित बोर्ड की बहाली और जल्द चुनाव कराने पर जोर दे रहा है।

टी-20 टीम से बाहर होने पर चौंके सूर्यकुमार, बोले- लगा था ओलंपिक और वर्ल्ड कप तक कप्तानी करूंगा

नई दिल्ली (एजेंसी) • भारतीय टी-20 टीम के पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव ने माना कि जब उन्हें भारत की अंतरराष्ट्रीय टी-20 योजनाओं से बाहर किया गया तो वे हैरान रह गए थे। उन्होंने बताया कि वह 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक और उसी साल होने वाले अगले टी-20 विश्व कप में टीम की कप्तानी करने की तैयारी कर रहे थे। जून में आयरलैंड और इंग्लैंड सीरीज के लिए टीम से बाहर करने से कुछ समय पहले ही चयनकर्ताओं ने सूर्यकुमार को इसकी जानकारी दी थी। 35 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि इस फैसले ने उन्हें पूरी तरह चौंका दिया, खासकर तब जब उन्होंने इस साल मार्च में घरेलू मैदान पर टीम को टी-20 विश्व कप का खिताब जिताया था। सूर्यकुमार यादव ने यूट्यूब पर आकाश चोपड़ा के शो 'बैठ और बोल' में कहा, 'जब मैंने देखा कि मेरा नाम लिस्ट में नहीं है, तो मैं मुस्कुरा दिया। जब भी मैं दबाव वाली स्थितियों में रहा हूं या जब चीज़ें मेरे पक्ष में नहीं रही हैं, तो मैं हमेशा मुस्कुराया हूं और शांत रहा हूं। मैंने उन पलों को याद किया है और शुक्रगुजार रहा हूं। मैंने नहीं सोचा था कि 2026 में ऐसा होगा। मुझे लग रहा था कि मैं अगले दो सालों तक टीम को आगे ले जाने की तैयारी कर रहा हूं, ओलंपिक, एक और टी-20 विश्व कप और फिर आगे एक और चुनौती।' उन्होंने कहा, 'टीम के ऐलान से दो-तीन दिन पहले चयनकर्ताओं ने मुझे फ़ोन किया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि अब आगे बढ़ने का समय आ गया है।' मैंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी क्योंकि यह मेरा स्वभाव नहीं है। जो भी फ़ैसला लिया गया, उस व्यक्ति को लगा होगा कि यह टीम के भले के लिए है। आपने फ़ैसला लिया, मुझे बताया, इसमें कोई बुराई नहीं है।'

क्रोएशियाई फुटबॉलर लुका मोड्रिक अगले एक साल तक मिलान में ही रहेंगे

रोम (एजेंसी) • क्रोएशियाई फुटबॉलर लुका मोड्रिक अब साल 2027 तक इटली के क्लब एसी मिलान के साथ ही रहेंगे। मोड्रिक ने क्लब के साथ अपने अनुबंध को एक साल के लिए और बढ़ा दिया है। इसी के साथ ही अब मोड्रिक जून 2027 तक मिलान की ओर से खेलेंगे। सितंबर में 41 साल के होने जा रहे इस क्रोएशियाई खिलाड़ी का यह फैसला उनके असाधारण खेल भावना और मैदान पर बने रहने की उनकी अटूट इच्छा को दर्शाता है। पिछले साल, मोड्रिक ने स्पेनिश टीम रियल मैड्रिड के साथ अपने 13 साल के करार को तोड़कर मिलान से करार किया था। वहीं रियल के साथ अनुबंध समाप्त होने के बाद उन्होंने नए अध्याय की शुरुआत की थी। एसी मिलान के लिए अपने पहले सत्र में उन्होंने कुल 37 मुकाबले खेले और दो अहम गोल किये। हालांकि, टीम का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा, और वह सेरी ए में पांचवें स्थान पर रही जबकि कोपा इटालिया में अंतिम-16 दौर से आगे नहीं बढ़ सकी। इसके बावजूद, मोड्रिक का अनुभव और मैदान पर उनकी उपस्थिति टीम के लिए काफी लाभदायकर रही। मोड्रिक ने पहले फीफा विश्व कप 2026 के बाद संन्यास की बात कही थी पर अब उन्होंने क्लब फुटबॉल के साथ ही बने रहना तय किया है। मिलान ने अपने बयान में मोड्रिक के करार बढ़ाने की पुष्टि करते हुए उनकी जमकर तारीफ की। क्लब ने कहा कि मिडफील्ड में आने के बाद से, मोड्रिक ने अपने अपार अनुभव, अथक मेहनत और अ?द्वितीय खेल कौशल से टीम को लगातार मजबूती दी है।

माधुरी दीक्षित टीवी होस्टिंग की दुनिया में वापसी के लिए तैयार

मुंबई (एजेंसी) • भारतीय सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री माधुरी दीक्षित जल्द ही टीवी के लोकप्रिय क्विज शो कोण होणार करोडपती के मराठी संस्करण को होस्ट करती नजर आएंगी। माधुरी लगभग दो दशकों से भी अधिक समय के अंतराल के बाद टीवी होस्टिंग की दुनिया में वापसी कर रही हैं। यह शो, जो भारत के सबसे लोकप्रिय क्विज कार्यक्रमों में से एक कौन बनेगा करोड़पति के मराठी संस्करण के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। इससे पहले उन्होंने कहीं ना कहीं कोई है नामक एक टीवी शो होस्ट किया था, जिसके बाद उन्होंने फिल्मों और अन्य प्रोजेक्ट्स पर अधिक ध्यान केंद्रित किया। इस वापसी को लेकर माधुरी बेहद उत्साहित हैं, और उन्होंने बताया कि उन्हें इस प्रोजेक्ट की तरफ सबसे ज्यादा कंटेस्टेंट्स की प्रेरक कहानियों और उनके बड़े सपनों ने आकर्षित किया है। शो में शामिल होने की अपनी प्रेरणा बताते हुए माधुरी दीक्षित ने कहा, कोण होणार करोडपती केवल सवालों के जवाब देकर पैसे जीतने वाला शो नहीं है, बल्कि यह मानवीय भावनाओं, अटूट आत्मविश्वास और बड़े सपनों की उड़ान का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा, मुझे सबसे ज्यादा उत्साह इस बात का है कि मैं इस मंच के माध्यम से कंटेस्टेंट्स की निजी कहानियों और उनके गहरे सपनों के साथ जुड़ पाऊंगी। लोगों के जीवन के अनुभवों को जानना और उनके आकांक्षाओं को समझना ही मुझे इस शो का अभिन्न हिस्सा बनने के लिए प्रेरित करता है। माधुरी ने अभिनय और होस्टिंग के बीच के मूलभूत अंतर के बारे में भी विस्तार से बात की। उन्होंने समझाया, जहां एक अभिनेता को कैमरे के समक्ष एक पूर्वनिर्धारित चरित्र में ढलना पड़ता है, वहीं एक होस्ट को अपनी स्वाभाविक पहचान और व्यक्तित्व के साथ प्रस्तुत होने का अवसर मिलता है।

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' ने दिलाई थी इंदर कुमार को नई पहचान

मुंबई (एजेंसी) • हिंदी फिल्म और टेलीविजन जगत में अभिनेता इंदर कुमार ने करीब दो दशक के अपने करियर में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई। उन्होंने अक्षय कुमार, सनी देओल और सलमान खान जैसे बड़े सितारों के साथ काम किया, जबकि टेलीविजन पर 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' जैसे लोकप्रिय धारावाहिक ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। दमदार व्यक्तित्व और आकर्षक स्क्रीन उपस्थिति के कारण उन्होंने शुरुआती दौर में दर्शकों का ध्यान खींचा था। हालांकि, उनके करियर में आया एक गंभीर विवाद उनके पेशेवर जीवन पर भारी पड़ा और इसके बाद उन्हें काम मिलने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा। इंदर कुमार का जन्म 26 अगस्त 1973 को जयपुर में हुआ था। 90 के दशक के मध्य में उन्होंने हिंदी सिनेमा में कदम रखा। वर्ष 1996 में महेश कोठारे के निर्देशन में बनी फिल्म 'मासूम' से उन्होंने मुख्य अभिनेता के तौर पर शुरुआत की। फिल्म में रेणुका शहाणे और टीनू आनंद जैसे कलाकार भी शामिल थे। इसके बाद इंदर ने कई फिल्मों में काम किया और बड़े सितारों के साथ स्क्रीन साझा की। अक्षय कुमार के साथ वह वर्ष 1996 में आई फिल्म 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी में नजर आए। इसमें उन्होंने अजय मल्होत्रा का किरदार निभाया था। सनी देओल के साथ उन्होंने 'मां तुझे सलाम' में काम किया। सलमान खान के साथ उनकी दोस्ती और पेशेवर संबंध काफी चर्चित रहे। दोनों ने 'कहीं प्यार ना हो जाए', 'तुमको ना भूल पाएंगे' और 'वांटेड' जैसी फिल्मों में साथ काम किया। वर्ष 2009 में आई 'वांटेड' में इंदर ने सलमान के भाई की भूमिका निभाई थी। फिल्मों में करियर अपेक्षित रफ्तार से आगे नहीं बढ़ने के बाद इंदर कुमार ने टेलीविजन का रुख किया। धारावाहिक 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में उन्होंने मिहिर वीरानी का किरदार निभाकर दर्शकों के बीच अपनी मजबूत पहचान बनाई। हालांकि बाद में उन्होंने यह शो छोड़ दिया और उनकी जगह रोनित रॉय ने भूमिका संभाली। इंदर कुमार की निजी जिंदगी भी काफी चर्चा में रही। उन्होंने तीन शादियां की थीं। वर्ष 2003 में उनकी पहली शादी सोनल कारिया से हुई, लेकिन यह रिश्ता करीब छह महीने में टूट गया।

उज्जैन संभाग

हत्या के आरोपियों की जमकर पिटाई की पुलिसकर्मी ने हॉर्न बजाने पर मारे थे चाकू

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • दमदमा क्षेत्र में ट्रैक्टर एजेंसी संचालक की हत्या करने वाले तीन आरोपियों आयुष उर्फ संटू, आकाश रायकवार और आयुष शर्मा का पुलिस ने रविवार दोपहर जुलूस निकाला। माधव नगर थाना पुलिस तीनों आरोपियों को घटनास्थल पर लेकर पहुंची। यहां से तरणताल तक पुलिस ने आरोपियों की जमकर पिटाई की। इस दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। आरोपी कान पकड़कर और हाथ जोड़कर माफी मांगते नजर आए। इससे पहले शनिवार को भी पुलिस ने चार आरोपियों का जुलूस निकालकर उन्हें सबक सिखाया था। ऋषि नगर एक्सटेंशन निवासी यश पिता विजय नारायण मित्तल (27) चिमनगंज मंडी में ट्रैक्टर शोरूम संचालित करता था। यश अपने दोस्तों के साथ कार से जा रहा था। इसी दौरान दमदमा मोड़ के पास आयुष शर्मा, विजय सिंह ठाकुर, विशाल ठाकुर, आकाश, करण, सागर और शेंटू कुछ युवक गाड़ी लेकर खड़े थे। यश और उसके दोस्तों ने रास्ते से हटने के लिए हॉर्न बजाया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर युवकों ने यश और उसके दोस्तों अभय व्यास व मंगल पर हमला कर दिया। हमले में यश की मौत हो गई थी।

महाकाल लोक में श्रद्धालुओं और महिला सुरक्षाकर्मी में मारपीट

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • महाकाल लोक में एक बार फिर श्रद्धालुओं और मंदिर समिति के सुरक्षाकर्मियों के बीच विवाद और मारपीट का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो रविवार को सोशल मीडिया पर सामने आया। वीडियो में महाकाल लोक की सप्त ऋषि की मूर्तियों के पास एक महिला सुरक्षाकर्मी और कुछ महिला श्रद्धालुओं के बीच विवाद होता दिखाई दे रहा है। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच गाली-गलौज भी हुई। वायरल वीडियो में महिला सुरक्षाकर्मी कुछ महिला श्रद्धालुओं से बहस करती नजर आ रही है। देखते ही देखते अन्य महिला श्रद्धालु भी वहां पहुंच जाती हैं और सुरक्षाकर्मी को घेर लेती हैं। इसी दौरान एक अन्य सुरक्षाकर्मी भी विवाद में शामिल हो जाता है। इसके बाद स्थिति बिगड़ जाती है और महिला श्रद्धालु महिला सुरक्षाकर्मी के साथ मारपीट करती दिखाई देती हैं। घटना के दौरान दोनों पक्षों की ओर से अपशब्दों का इस्तेमाल भी किया गया। मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने विवाद का वीडियो बनाना शुरू कर दिया। बाद में कुछ लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया।

घटना का वीडियो वायरल होने के बाद महाकाल लोक में श्रद्धालुओं और सुरक्षाकर्मियों के बीच विवाद को लेकर एक बार फिर सवाल उठ रहे हैं। महाकाल लोक में देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में इस तरह की घटनाओं से मंदिर और शहर की छवि पर भी असर पड़ता है। फिलहाल मंदिर प्रशासन की ओर से घटना को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। यह भी स्पष्ट नहीं हो सका है कि विवाद की शुरुआत किस बात को लेकर हुई थी। महाकाल मंदिर में बुधवार को ओंकारेश्वर से आए कांवड़ियों ने हंगामा कर दिया। नंदी हॉल में प्रवेश की मांग कर रहे कांवड़ियों ने बैरिकेडिंग तोड़कर अंदर जाने की कोशिश की। रोकने के दौरान मंदिर के 4 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए।

आस्था का सैलाब, सावन में पहली बार एक माह में डेढ़ करोड़ श्रद्धालु पहुंचे महाकाल

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • श्रावण माह में आस्था का रिकॉर्ड बन गया है। एक माह के दौरान ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर के दर्शन करने वाले भक्तों को आंकड़ा पहली बार डेढ़ करोड़ से ज्यादा दर्ज किया गया है। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक प्रथम कौशिक के अनुसार महाकालेश्वर दर्शन के लिए 1 करोड़ 10 लाख 90 हजार 725 श्रद्धालु आए। इसी तरह चार सवारी और नागचंद्रेश्वर के दर्शन के लिए 43 लाख 75 हजार श्रद्धालु महाकाल पहुंचे। ऐसे में यह संख्या 1 करोड़ 53 लाख 75 हजार पहुंच गई है। वर्ष 2025 में श्रावण माह के दौरान 72 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन लाभ लिए थे। 5 लाख 66 हजार 350 भक्तों ने शीघ्र दर्शन टिकट से दर्शन लाभ लिए। इससे मंदिर प्रबंध समिति को 14 करोड़ 22 लाख 37 हजार 500 रुपए की आय हुई। लड्डू प्रसादी की बिक्री से मिले 10.32 करोड़ 2 लाख 180 हजार 662 क्विंटल लड्डू प्रसादी की बिक्री हुई। इससे मंदिर को 10 करोड़ 32 लाख 73 हजार रुपए की आय हुई। अन्नक्षेत्र में हर मंगलवार और शुक्रवार को रस संगमम् नामक दक्षिण भारतीय व्यंजन की शुरुआत की गई। इसमें श्रद्धालुओं को सांभर, इडली, वड़ा, स्टीम चावल मौसमी सब्जी परोसे जा रहे हैं। पहले ही दिन 10337 ने इसका लाभ लिया। नागपंचमी पर मंदिर के पट खुलने के तीन दिन पहले ऑनलाइन शीघ्र दर्शन टिकट (300 रुपए) की शुरुआत की। इससे पट खुलने के पहले ही मंदिर प्रबंध समिति को 39 लाख रुपए की आय हुई। मंगलवार, बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार को कावड़ यात्रियों के लिए गेट नंबर 1 और हरसिद्धि चौराहा से प्रवेश की व्यवस्था की थी। सभामंडपम के साथ कार्तिक मंडपम में पात्र जल अर्पित करने के लिए रखे गए थे।

रोहणी नक्षत्र में मनेगा श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव, अष्टमी तिथि के साथ रोहणी नक्षत्र का दुर्लभ संयोग

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • 4 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाई जाएगी। इस बार 15 साल बाद जन्माष्टमी पर ऐसा विशेष संयोग बन रहा है, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र में मनाया जाएगा। ज्योतिषाचार्य पंडित अक्षत व्यास के अनुसार द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भी मध्यरात्रि में अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र में हुआ था। इस बार जन्माष्टमी पर भी इसी तरह का संयोग बन रहा है। पंडित व्यास के मुताबिक कई बार जन्माष्टमी पर अष्टमी तिथि तो रहती है, लेकिन रोहिणी नक्षत्र का संयोग नहीं बनता। इस बार दोनों एक ही दिन मिल रहे हैं। यही वजह है कि इस जन्माष्टमी को विशेष माना जा रहा है। रामानंदी संप्रदाय में जन्मोत्सव के लिए रोहिणी नक्षत्र को विशेष महत्व दिया जाता है। इस बार वैष्णव और रामानंदी समेत सभी प्रमुख संप्रदायों में 4 सितंबर को ही जन्माष्टमी मनाई जाएगी। ज्योतिषाचार्य के अनुसार जन्माष्टमी की अर्धरात्रि में अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र का एक साथ होना विशेष फलदायी माना जाता है। कई वर्षों में भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी पर वृष राशि में चंद्रमा तो रहता है, लेकिन रोहिणी नक्षत्र का संयोग नहीं बन पाता। इस बार सभी प्रमुख ज्योतिषीय तत्व एक साथ आ रहे हैं। धार्मिक मान्यताओं में भी ऐसे संयोग में भगवान श्रीकृष्ण की पूजा का विशेष महत्व बताया गया है।

निर्माणाधीन ब्रिज पर वाहनों की आवाजाही शुरू, डामरीकरण अधूरा

दैनिक इंदौर संकेत

नागदा • खाचरोद रोड स्थित उमरना रेलवे फाटक पर निर्माणाधीन ब्रिज पर गाड़ियों का आना-जाना शुरू हो गया है। ब्रिज पर अभी डामरीकरण का काम पूरा नहीं हुआ है। इसके बावजूद दोपहिया और अन्य वाहन चालक ब्रिज पर से गुजर रहे हैं। मौके पर आवाजाही रोकने के लिए प्रशासन की ओर से फिलहाल कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं है। निर्माण कंपनी के इंजीनियर नंदलाल सिंह ने बताया कि ब्रिज के दोनों तरफ पहले बैरिकेड्स लगाए गए थे। जिससे आम लोगों की आवाजाही रुकी हुई थी। लेकिन फिर बैरिकेड्स चोरी हो गए, जिसके बाद लोग ब्रिज से गुजरने लगे।

इंजीनियर के मुताबिक, रेलवे फाटक पर ट्रेनों के गुजरने के दौरान रास्ता अक्सर बंद रहता है। इस कारण ब्रिज पर आपातकालीन वाहनों के लिए थोड़ी जगह छोड़ी गई थी। अब आम लोग भी इस रास्ते का इस्तेमाल करने लगे हैं। ब्रिज पर वाहनों की आवाजाही शुरू होने के बाद निर्माण कंपनी और लोक निर्माण विभाग (क्कङ्ख्र) की व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। ब्रिज का काम पूरा होने से पहले लोगों की आवाजाही रोकने के लिए बैरिकेडिंग की गई थी। बैरिकेड चोरी होने के बाद उसे दोबारा लगाने या अन्य प्रभावी व्यवस्था की जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। उमरना रेलवे फाटक पर ब्रिज का निर्माण 2019 में शुरू हुआ था। शुरुआती चरण के बाद संबंधित कंपनी काम पूरा नहीं कर सकी। इसके बाद 2025 में गुजरात की जय जवान कंस्ट्रक्शन कंपनी को बाकी काम पूरा करने का टेंडर मिला। कंपनी को निर्माण कार्य 29 सितंबर 2026 तक पूरा करना है। ब्रिज का निर्माण करीब 8 करोड़ रुपए की लागत से किया जा रहा है। इसका काम अंतिम चरण में है। डामरीकरण का काम अभी पूरा होना बाकी है। निर्माणाधीन हिस्से पर लगातार वाहनों की आवाजाही से सड़क और दूसरे निर्माण कार्यों पर दबाव पड़ सकता है। ऐसे में काम पूरा होने तक आम वाहनों की आवाजाही रोकने के लिए पर्याप्त व्यवस्था जरूरी है। निर्माण कंपनी को तय समय सीमा में बाकी काम पूरा करना है। साथ ही, निर्माण पूरा होने तक ब्रिज पर गाड़ियों की आवाजाही रोकना भी जरूरी है।

सितंबर से शुरू हो सकता है अंडरग्राउंड मेट्रो का काम, थाईलैंड से आईं हैं मशीनें

■ बंगाली-पलासिया पर नए भूमिगत मेट्रो स्टेशन एयरपोर्ट छोर पर सुरंग खोदने की मशीन तैयार

■ खजराना से एमजी रोड तक जमीन के नीचे बनेगा नया रास्ता

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में मेट्रो का अगला बड़ा बदलाव अब जमीन के ऊपर नहीं, बल्कि उसके नीचे दिखाई देगा। शहर के सबसे व्यस्त इलाकों में मेट्रो के लिए पिलर खड़े करने के बजाय अब सुरंग बनाई जाएगी। खजराना से बंगाली, पलासिया होते हुए एमजी रोड तक करीब साढ़े 3 किलोमीटर का रास्ता अंडरग्राउंड किया जा रहा है। इसी के साथ एयरपोर्ट की तरफ से भी भूमिगत कॉरिडोर बनाने की तैयारी अंतिम चरण में पहुंच गई है। टनल बोरिंग मशीन को जोड़ने का काम पूरा हो चुका है और सितंबर के पहले सप्ताह से सुरंग निर्माण शुरू होने की संभावना है। इस बदलाव का सबसे बड़ा असर शहर की सड़कों और चौराहों पर दिखाई देगा। पहले खजराना से एमजी रोड तक मेट्रो को एलिवेटेड ले जाने की योजना थी। ऐसे में व्यस्त सड़कों के बीच लंबे पिलर, वायडक्ट और स्टेशन बनने थे। अब योजना बदलने के बाद यही मेट्रो जमीन के नीचे जाएगी। बंगाली और पलासिया चौराहे पर भूमिगत स्टेशन बनाए जाएंगे। यानी जिन स्थानों पर भविष्य में एलिवेटेड ढांचा दिखाई देना था, वहां सड़क का मौजूदा स्वरूप काफी हद तक बरकरार रखने की कोशिश होगी।

मेट्रो का पूरा भूमिगत नेटवर्क खजराना से आगे बढ़ते हुए पलासिया, एमजी रोड, रीगल, राजबाड़ा, बड़ा गणपति, रामचंद्र नगर और एयरपोर्ट तक जाएगा। इस पूरे हिस्से की लंबाई करीब 11 से 12 किलोमीटर है।

निर्माण एजेंसियों की रणनीति भी बदली

इस बदलाव के साथ निर्माण एजेंसियों की रणनीति भी बदल गई है। पहले जिस हिस्से के लिए एलिवेटेड निर्माण का ठेका दिया जा चुका था, अब उसके आगे का काम नए अंडरग्राउंड ठेके के जरिए कराया जाएगा। खजराना से एमजी रोड तक के करीब साढ़े 3 किलोमीटर हिस्से के लिए 1191.20 करोड़ रुपए के टेंडर बुलाए गए हैं। काम पूरा करने के लिए 182 सप्ताह यानी करीब साढ़े 3 साल की समयसीमा रखी गई है। उधर एयरपोर्ट छोर पर सुरंग बनाने वाली मशीन की असेम्बलिंग पूरी हो चुकी है। मशीन को अलग-अलग हिस्सों में थाईलैंड से इंदौर लाया गया था। अब इसे भूमिगत निर्माण के लिए तैयार किया जा रहा है। सितंबर से काम शुरू होने के बाद शहर में पहली बार मेट्रो की सुरंग निर्माण गतिविधियां बड़े पैमाने पर दिखाई देंगी।

फॉर्म भरने के साथ कॉलेज से सत्यापन करवाना जरूरी परीक्षा फॉर्म भरने का आज अंतिम दिन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की ओर से राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अंतर्गत संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों के लिए परीक्षा फॉर्म भरने की जा रही है। विद्यार्थियों को निर्धारित तारीखों के अंदर ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरने के साथ ही अपने संबंधित महाविद्यालय से सत्यापन करवाना जरुरी है।

3 तक महाविद्यालय भेजेंगे परीक्षा फॉर्म : सामान्य शुल्क में आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद विलंब शुल्क 100 रुपए के साथ आवेदन का आज अंतिम दिन है। 30 अगस्त तक छात्र की ओर से महाविद्यालय में परीक्षा आवेदन पत्र प्रस्तुत करने का मौका दिया गया। विलंब शुल्क के साथ महाविद्यालयों को सत्यापित परीक्षा फॉर्म 3 सितंबर तक विश्वविद्यालय को भेजने हैं। विश्वविद्यालय ने इसके बाद 750 रुपए विलंब शुल्क और कुलगुरु की अनुमति के साथ भी परीक्षा फॉर्म भरने का अवसर दिया है। इस चरण में 31 अगस्त से प्रक्रिया शुरू होगी और महाविद्यालय स्तर पर परीक्षा फॉर्म से संबंधित कार्यवाही 2 सितंबर तक पूरी करना रहेगी। संबंधित महाविद्यालयों को 7 सितंबर तक परीक्षा फॉर्म विश्वविद्यालय भेजने रहेंगे।

कॉलेज स्तर पर सत्यापन जरूरी

डीएवीवी ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा फॉर्म भरने के बाद विद्यार्थियों का सत्यापन संबंधित महाविद्यालय की ओर से किया जाएगा। इसके लिए महाविद्यालय के प्राचार्य या अधिकृत अधिकारी को विश्वविद्यालय के लॉगिन पर जाकर एक्जाम फॉर्म अप्रूवल फॉर एनईपी कोर्स लिंक के माध्यम से विद्यार्थियों के परीक्षा फॉर्म का सत्यापन करना कोरहेगा। सभी विद्यार्थियों को अपने परीक्षा फॉर्म का सत्यापन अनिवार्य रूप से संबंधित महाविद्यालय से करवाना है। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट कहा है कि गलत विषय का चयन करने पर विश्वविद्यालय स्तर से विषयों का आवंटन किया जाएगा।

छोटे से लेकर बड़े-बड़े पंडालों को सजाने के लिए बन रहे डेकोरेशन आइटम्स

इंदौर के बने सजावटी सामानों की मांग, महाराष्ट्र-गुजरात तक सप्लाई

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● राखी का त्योहार जाने के बाद अब शहर में कृष्ण जन्माष्टमी और फिर आगामी गणेशोत्सव को लेकर बाजारों में रौनक बढ़ गई है। घरों से लेकर बड़े-बड़े पूजा पांडालों को सजाने के लिए इंदौर में बने हैंडिक्राफ्ट और सजावटी सामानों की जबरदस्त मांग देखने को मिल रही है। शहर के हुनरमंद कारीगर दिन-रात एक करके आकर्षक और अनोखे डेकोरेशन आइटम्स तैयार कर रहे हैं।

शहर के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में हो रहा निर्माण: इंदौर के तीन इमली, सांवेर रोड और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर इन सजावटी सामानों का निर्माण किया जा रहा है। यहां बने हैंडिक्राफ्ट आइटम्स की ख्याति अब केवल मध्य प्रदेश तक सीमित नहीं है, बल्कि महाराष्ट्र, गुजरात और राजस्थान जैसे पड़ोसी राज्यों में भी इंदौर में बने सामानों की भारी सप्लाई की जा रही है। वहीं शहर के रानीपुरा, महारानी रोड, वेयर हारस रोड से यह सामग्री प्रदेश के कई शहरों में भेजी जा रही है।

पॉयलट से आगे नहीं बढ़ पाया प्रोजेक्ट, अब तेजी से पूरा करने की जरूरत

■ चार साल से वार्ड मास्टर प्लान का इंतजार, अब 85 वार्डों की हर गली का होगा डिजिटल हिसाब!

■ दूषित पानी, ड्रेनेज, अतिक्रमण से लेकर सड़क की चौड़ाई तक की जानकारी एक क्लिक पर ही मिलेगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर स्मार्ट बनने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है, लेकिन नगर निगम के 85 वार्डों की बुनियादी जानकारी अब भी अलग-अलग रिकार्ड में बिखरी हुई है। चार साल पहले हर वार्ड का मास्टर प्लान तैयार करने की घोषणा हुई थी। कुछ वार्डों में पॉयलट प्रोजेक्ट भी शुरू किया गया, लेकिन यह व्यवस्था अब तक पूरे शहर में लागू नहीं हो पाई है। हालांकि अब निगम के सामने इस योजना को तेजी से पूरा कर शहर के प्रत्येक वार्ड को डिजिटल तरीके से मैप करने का बड़ा अवसर है। वार्ड मास्टर प्लान तैयार होने के बाद किसी अधिकारी या कर्मचारी को वार्ड की जानकारी जुटाने के लिए अलग-अलग रिकार्ड खंगालने की जरूरत नहीं होगी। एक डिजिटल प्लेटफार्म पर ही पता चल सकेगा कि किस सड़क की चौड़ाई कितनी है, कहां ड्रेनेज लाइन डली है, नर्मदा की पाइपलाइन कहां से गुजर रही है, निगम या सरकारी जमीन कहां है और किन क्षेत्रों में विकास की जरूरत है।

समस्या सामने आते ही सीधे पहुंचेगा अमला

सबसे बड़ा फायदा शहर की रोजमर्रा की समस्याओं के समाधान में हो सकता है। कहीं दूषित पानी की शिकायत आई तो संबंधित क्षेत्र की जल और ड्रेनेज लाइनों का पूरा नेटवर्क तत्काल देखा जा सकेगा। ड्रेनेज चौक होने, सड़क पर अतिक्रमण या किसी विकास कार्य के दौरान लाइन क्षतिग्रस्त होने जैसी स्थिति में भी अधिकारियों को मौके की वास्तविक स्थिति समझने में आसानी होगी।

जरूरतमंदों और वकीलों को हो रही सबसे अधिक परेशानी

कोषालय में 100 रुपए के स्टाम्प खत्म होने से बढ़ी परेशानी वेंडर थमा रहे 50-50 वाले बड़े विक्रेताओं ने कर लिया स्टॉक

■ छोटे विक्रेताओं की बढ़ी परेशानी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इन दिनों कोषालय में 100 रुपए के स्टाम्प खत्म होने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। अधिकांश स्टाम्प विक्रेताओं के यहां पर स्टॉक खत्म हो गया है। स्टाम्प का टोटा पड़ने से जरूरतमंदों और वकीलों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। फिलहाल छुट्टी का माहौल है, लेकिन सोमवार से सभी कार्यालय खुलेंगे तो स्टॉम्प की कमी की परेशानी का सही अंदाजा लगेगा। बताया जाता है कि पूर्व में जब 100 रुपए के स्टाम्प खत्म होते थे तो कोषालय अधिकारी हर स्टाम्प विक्रेता को समान रूप से 500-500 स्टाम्प देते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है। कतिपय प्रभावी वेंडरों को अधिक तादाद में 100 रुपए के स्टाम्प दे दिए गए, जबकि छोटे स्टाम्प वेंडर परेशान हो रहे हैं। कोषालय में स्टाम्प खत्म होने के बाद जिला कोर्ट, कलेक्ट्रर और जिला पंजीयन कार्यालय परिसर में स्टाम्प विक्रेताओं ने भी हाथ खड़े कर दिए हैं। स्टाम्प खत्म होने से सबसे ज्यादा परेशानी में छोटे स्टाम्प विक्रेता है। पूंजी कम होने से इन्होंने पहले से स्टॉक नहीं किया था।

इन कामों में होता है उपयोग- 100 रुपए के स्टाम्प का उपयोग नगर निगम, विद्युत मंडल, बैंक, अस्पताल, स्कूल कॉलेज और अन्य जरूरी शपथ पत्र व नोटरी संबंधी कार्यों के लिए होता है। 100 के स्टाम्प उपलब्ध नहीं होने पर 50-50 रुपए वाले के स्टाम्प खरीदना होते हैं, जिस पर टाइपिंग आदि का खर्च ज्यादा आता है।

उठा रहे फायदा

बताते है कि बड़े स्टाम्प विक्रेताओं को खास फर्क नहीं पड़ा है क्योंकि इनके पास पहले से ही लाखों के स्टाम्प मौजूद रहते हैं। सूत्रों के अनुसार, जिन बड़े विक्रेताओं के पास स्टाम्प उपलब्ध है, उनके द्वारा लोगों की मजबूरी का फायदा उठाकर 100 रुपए के स्टाम्प 20 से 25 रुपए ज्यादा लेकर बेचे जा रहे। इस मामले में जब जिला कोर्ट में छानबीन की गई तो अधिकांश स्टाम्प विक्रेताओं के यहां 100 रुपए के स्टाम्प नहीं मिले। स्टॉम्प विक्रेता मजबूरन 50-50 के स्टॉम्प बेच रहे है। जिससे ग्राहकों को भी एक की बजाए 2 स्टाम्प खरीदना पड़ रहे है।

शुगर फ्री मिठाइयों की डिमांड 30% बढ़ी, मावे की मिठाइयों की बिक्री घटी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● रक्षाबंधन पर इंदौर के लोगों ने करीब 100 टन मिठाइयां चट कर डालीं। वहीं, शुगर फ्री मिठाइयों की डिमांड 30 प्रतिशत तक बढ़ गई, जबकि मावे की मिठाइयों की मांग कम होने से बिक्री 20 प्रतिशत तक घट गई। ग्राहकों ने पारंपरिक मिठाइयों के साथ दूध और बंगाली मिठाइयों को ज्यादा पसंद किया। हालांकि शक्कर, दूध, ड्रायफ्रूट और अन्य कच्चे माल के दाम बढ़ने के बावजूद त्योहार के दौरान मिठाइयों की कीमतों में ज्यादा बढ़ोतरी नहीं की गई।

पिछले साल 107 टन बिकी थीं मिठाइयां : पिछले रक्षाबंधन पर शहर में करीब 107 टन मिठाई की बिक्री हुई थी। कारोबारियों के अनुसार तब शक्कर, दूध और अन्य कच्चे माल की कीमतें अपेक्षाकृत कम थीं।

4000 रुपए किलो तक रहे भाव : मावा मिठाइयों के दाम 500 रुपए किलो से शुरू हुए। वहीं दूध, बंगाली और ड्रायफ्रूट से तैयार मिठाइयों की कीमतें गुणवत्ता और सामग्री के आधार पर 800 से 4000 रुपए किलो तक रहीं।

स्मार्ट क्षेत्र, आसमान में लटकते तार आमजनता के जी का जंजाल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● सपने दिखाना तो कोई हमारे होनहार और दूरदर्शी अधिकारियों से सीखे! जब इंदौर में 'स्मार्ट सिटी योजना की ढोल-नगाड़ों के साथ एंट्री हुई थी। तब बड़े-बड़े वादों की ऐसी कशिश थी कि, स्थानीय व्यापारी और रहवासी भी सम्मोहित हो गए थे। अफसरों ने फाइलें चमकाते हुए दावा किया था। अब इंदौर की सड़कें आसमान छूते केबल और तारों के मकड़जाल से मुक्त होंगी। सारी केबलें अंडरग्राउंड यानी पाताल में समा जाएंगी! लेकिन आज उसी 'स्मार्ट सिटी क्षेत्र की सड़कों पर आप कभी भी निकलिए, तो समझ आयेगा कि अधिकारियों की 'स्मार्टनेस' सिर्फ कागजों और जनता की जेबें ढीली करने तक ही सीमित रहती हैं। क्योंकि हकीकत यह है कि जमीन के अंदर जाने वाली केबलें आज भी उसी तरह हवा में झूल रही हैं। जो अब आम जनता और व्यापारियों के लिए उनके 'जी का जंजाल' बन चुकी हैं। अधिकारियों ने व्यापारियों और रहवासियों को वीआईपी क्षेत्र कह ले या स्मार्ट शहर का ऐसा झुनझुना थमाया कि उन्होंने बाकी इलाकों से ज्यादा टैक्स का भुगतान भी हँसते-हँसते कर दिया। लेकिन उन्हें बदले में मिला क्या?

भागीरथपुरा रिपोर्ट के लिए दर्जन भर आईएएस के बयान, रैंडम आधार पर क्लीन चिट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भागीरथपुरा दूषित जल कांड की रिपोर्ट के लिए जांच आयोग के सामने दर्जन भर आईएएस पेश हुए। साथ ही निगम के वाटर, सीवरेज विभाग के अधिकारियों के बयान हुए। इसमें रैंडम आधार पर किसी की लापरवाही मिली।

भागीरथपुरा में दिसंबर 2025 के अंत में सामने आए भयावह दूषित पानी कांड की रिपोर्ट के बिंदु सामने आ गए हैं। इस मामले की जांच हाईकोर्ट के रिटायर जस्टिस सुशील कुमार गुप्ता ने की। उनकी जांच रिपोर्ट करीब 600 पन्नों की है। इसमें लगभग 400 पन्नों में बयान और दस्तावेज शामिल हैं। करीब 200 पन्नों में जांच के निष्कर्ष दर्ज किए गए हैं। रिपोर्ट की अब तक सामने आई अधूरी जानकारी से कहीं टैंडम क्लीन चिट तो कहीं लापरवाही मानने की बात सामने आ रही है।

रिपोर्ट के लिए दर्जन भर आईएएस के बयान-इस रिपोर्ट के लिए जांच कमीशन ने साल 2015 से 2025 घटना तक पदस्थ रहे निगमायुक्त के साथ ही अपर आयुक्त, खासकर जल व सीवरेज विभाग प्रभारी अधिकारियों को बुलाया। इसके साथ ही इन दोनों विभाग में पदस्थ इंजीनियर व अन्य टेक्निकल स्टाफ को भी बुलाया गया। निगमायुक्त में मनीष सिंह, आशीष सिंह, प्रतिभा पाल, हर्षिका सिंह, शिवम वर्मा, दिलीप यादव के बयान हुए। तो वहीं अपर आयुक्त रहे संदीप सोनी, सिद्धार्थ जैन, संतोष टैगोर, भव्या मित्तल, ए. गेहलोत, अभिलाष मिश्रा, रोहित सिसोनिया सहित अन्य के बयान लिए गए।

जांच में रैंडम आधार पर लापरवाही, क्लीन चिट

जांच रिपोर्ट में दो पूर्व निगमायुक्तों का भी जिक्र किया गया है। इनमें एक महिला और एक पुरुष अधिकारी शामिल हैं। रिपोर्ट में दोनों अधिकारियों की ओर से काम में देरी और लापरवाही की बात लिखी गई है। हालांकि इनमें से एक अधिकारी घटना से छह साल पहले निगमायुक्त रहे थे। वहीं दूसरी अधिकारी घटना से दो साल पहले निगमायुक्त रही थीं। खास बात यह है कि इनके पहले और बाद में निगमायुक्त रहे अधिकारियों पर रिपोर्ट में इस तरह की कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

रीजनल पार्क से शुरू होगी वॉक प्लास्टिक लाने वालों को मिला पौधा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर को सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त करने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए नगर निगम की ओर से आज वॉक फार ए ग्रीन टूमारो का आयोजन किया जाएगा।

वॉक सुबह 11 बजे रीजनल पार्क से शुरू होगी। इसमें शहर के नागरिकों के साथ सामाजिक संस्थाओं, स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी और पर्यावरण प्रेमी शामिल होंगे। महापौर पुष्यमित्र भार्गव और निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल की मौजूदगी में होने वाले इस कार्यक्रम में शामिल प्रत्येक प्रतिभागी को सम्मान के तौर पर 'ग्रीन वॉरियर मेडल' और एक पौधा दिया जाएगा।

नगर निगम ने 20 से 30 अगस्त तक 'आधा किलो प्लास्टिक लाओ, एक पौधा ले जाओ' अभियान चलाया। शहर के 15 आरआरआर केंद्रों पर नागरिकों ने घरों और आसपास से एकत्र सिंगल यूज प्लास्टिक जमा कराया। इसके बदले उन्हें अलग-अलग प्रजातियों के पौधे दिए गए। अभियान का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के प्रति प्रेरित करना था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।